आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

समस्त देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

वर्ष : 27 | अंक : 302 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, सोमवार, 20 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देश भर में दीपोत्सव का उल्लास

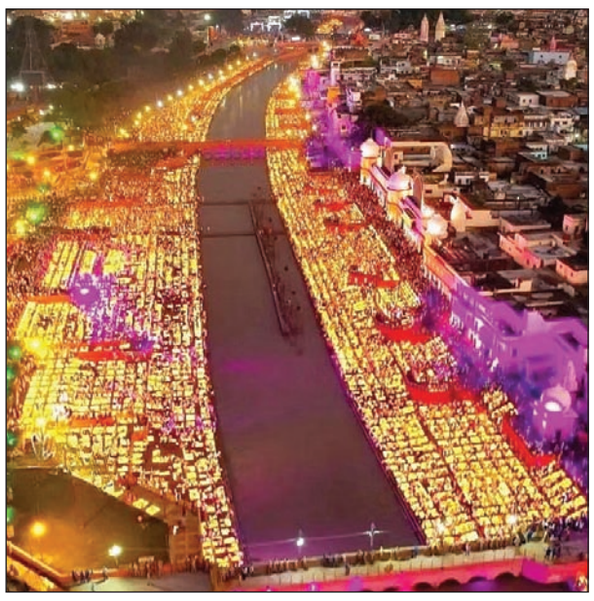

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज पूरे देश में दिवाली मनाई जा रही है। यह कार्तिक माह की अमावस्या तिथि है। इस दिन घरों से लेकर मंदिरों में लक्ष्मी पूजन का भव्य आयोजन किया जाता है। इसके प्रभाव से जीवन में खुशियां, सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा आती है। साथ ही व्यक्ति के धन-धान्य में वृद्धि होती हैं।

प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर बनाई दीपावली

गोवा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा और कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत पर बहादुर सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन अद्भुत है। यह दृश्य अविस्मरणीय है। आज एक तरफ मेरे पास सागर है, तो दूसरी तरफ मेरे पास भारत माता के वीर जवानों की ताकत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस दिवाली गोवा तट पर भारतीय नौसेना के जवानों के साथ मनाने पहुंचे। सशस्त्र बलों के जवानों के साथ दिवाली मनाने की परंपरा को जारी रखते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा और कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत का दौरा किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जवानों को भी संबोधित किया। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

दीवाली पर शेयर बाजार में रौनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और विदेशी फंड प्रवाह जैसी बड़ी कंपनियों में खरीदारी के चलते सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेज तेजी ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में आशावाद को बढ़ाया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 704.37 अंक बढ़कर 84,656.56 अंक पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 216.35 अंक बढ़कर 25,926.20 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स की कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज में 2 प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। कंपनी ने शुक्रवार को बताया कि सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि उपभोक्ता-केंद्रित खुदरा और दूरसंचार कारोबार में मजबूत प्रदर्शन और तेल से लेकर रसायन क्षेत्र में सुधार के कारण हुई है।

मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला के दरबार में लगाई हाजिरी

अयोध्या (एजेंसी)। भव्य दीपोत्सव संपन्न होने और नया विश्व कीर्तिमान स्थापित होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह संकट मोचन हनुमानगढ़ी का दर्शन किया। यहां उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए श्रीराम भक्त हनुमान से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

दीवाली पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा की हवा खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली पर दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा बेहद खराब हो गई है। प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ गया है कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग यानी CAQM ने ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) की सब-कमेटी ने आपात बैठक बुलाई. मौसम और हवा की स्थिति की समीक्षा के बाद GRAP-2 के तहत 12 सूत्रीय एक्शन प्लान लागू करने का फैसला लिया।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) की रिपोर्ट के मुताबिक आज दिल्ली की एयर क्वालिटी 'खराब' दर्ज की गई है। दिल्ली-एनसीआर के आनंद विहार में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) सबसे खराब रहा। आनंद विहार में AQI 417 दर्ज किया गया, जिसने इस क्षेत्र को सबसे प्रदूषित बना दिया. विजयनगर (गाज़ियाबाद) में AQI 348, और नोएडा में AQI 341 रिकॉर्ड किया गया। वहीं, नोएडा सेक्टर-1 का **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

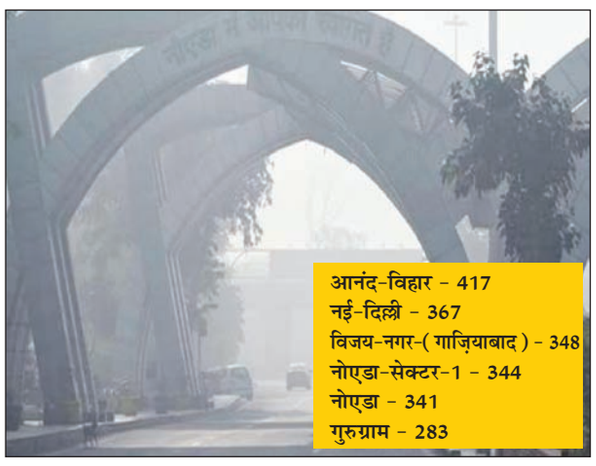

कल खुलेंगे प्राधिकरण के कार्यालय 22 वह 23 को फिर अवकाश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के सभी कार्यालय कल मंगलवार 21 अक्टूबर को खुले रहेंगे। 22 अक्टूबर तथा 23 अक्टूबर को नोएडा प्राधिकरण के सभी कार्यालय बंद रहेंगे तथा 24 अक्टूबर को कार्यालय खुलेंगे।

नोएडा एम्पलाइज यूनियन के अध्यक्ष चौधरी राजकुमार ने बताया कि 20 अक्टूबर को दीपावली के उपलक्ष में नोएडा प्राधिकरण के सभी कार्यालय बंद रहेंगे लेकिन 21 अक्टूबर को सभी कार्यालय खुलेंगे इसके बाद 22 अक्टूबर को भैया दूज तथा 23 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा के कारण सभी कार्यालय बंद होंगे इसके बाद 24 अक्टूबर को कार्यालय खुलेंगे। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर तथा 26 अक्टूबर को शनिवार एवं रविवार होने के कारण सभी कार्यालय बंद रहेंगे तथा आमजन के लिए 27 अक्टूबर को सभी कार्यालय खोले जाएंगे।

पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखें : डॉ. महेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)।

गौतमबुद्धनगर के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने कहा कि पत्रकारिता एक बहुत ही गंभीर तथा पवित्र पेशा है। पत्रकारिता की गरिमा व शुचिता व अक्षुणता बनाए रहें। उनके किसी तथ्य से परे लेखन से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर कोई दाग ना आए हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए। डॉ महेश शर्मा कैलाश अस्पताल सभागार में सभी पत्रकारों को दीपावली की शुभकामनाएं देने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि गौतम बुद्ध नगर के सभी पत्रकार अपने पेशे की शुचिता तथा गंभीरता को समझते हैं। यहां के सभी पत्रकार बधाई के पात्र हैं। सभी का मुझे दशकों से प्यार मिलता रहा है तथा मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व

प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि मुझे इतनी ऊंचाई मत देना कि मैं अपनों से दूर हो जाऊं। उनकी ये पंक्ति हमेशा विनम्रता तथा जनसेवा की भावना बनाए रखने की प्रेरणा देती है।

इस दौरान डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नरेंद्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें बिहार के विधानसभा चुनाव में औरंगाबाद जनपद की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने औरंगाबाद के सभी 6 विधानसभा में लगातार प्रयास करके सभी को नामांकन करवा दिए हैं तथा कहीं से भी पार्टी में विरोध के स्वर नहीं फूटे और ना ही कोई बागी उम्मीदवार देखने को मिला। उन्होंने कहा कि जिस जनपद कि उन्हें जिम्मेदारी मिली है वहां भाजपा का एक भी प्रत्याशी कभी नहीं जीता। लेकिन इस बार जो स्थिति है उसे स्पष्ट है कि 6 में से कम से कम पांच सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित है।

कार में लगी आग, परिवार की बची जान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

थाना जारचा क्षेत्र में एक कार में आज अचानक आग लग गई। इस घटना में एक परिवार की जान पर बन आई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिवार को सुरक्षित कार से निकाला।

थाना प्रभारी सुनेश कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति अपने परिवार के साथ गंगा स्नान करने के लिए गढ़ मुक्तेश्वर जा रहे थे, जैसी ही उनकी गाड़ी सैंथली चौकी से थोडी आगे निकली तभी उनकी कार के बोनट से आग की लपटें बाहर निकलती दिखाई दी। इस दौरान थाना जारचा पुलिस टीम पेट्रोलिंग करते हुए मौके पर पहुंची तो घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल सभी लोगों को कार से सकुशल बाहर निकाला।

पुलिस द्वारा फायर ब्रिगेड़ को तत्काल मौके पर बुलाकर गाड़ी में लगी हुई आग को बुझाया गया। कार में मौजूद किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई है। पुलिस टीम की मुस्तैदी से एक परिवार की जान बच गई। परिवारजनों व स्थानीय लोगों ने पुलिसकर्मियों की प्रशंसा की है।

ग्रीन पटाखे

दिवाली मनाने के उत्साही लोगों की आकांक्षाओं के अनुरूप सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दे दी है। इसके बावजूद स्वच्छ हवा बनाए रखने व प्रदूषण नियंत्रण के लिए हमारे संयम व जिम्मेदार व्यवहार की जरूरत होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि हमारी राष्ट्रीय राजधानी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानियों में शुमार है। दुनिया के बीस शीर्ष प्रदूषित शहरों में करीब आधे भारत में हैं। पर्व, आस्था व विश्वास अपनी जगह हैं, लेकिन प्राणवायु का स्वच्छ रहना लाखों लोगों के जीवन का प्रश्न भी है। यही वजह है कि दिल्ली-एनसीआर में कुछ शर्तों के साथ दीपावली पर ग्रीन पटाखों की अनुमति देते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की नसीहत दी है, जिससे हमारी आस्था का सम्मान हो सके और पर्यावरण की रक्षा भी हो। निस्संदेह, कोर्ट के फैसले से वे लोग उत्साहित होंगे, जो ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति चाहते थे। लेकिन इसका एक पक्ष यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग इससे निराश हो सकते हैं। पर्यावरण प्रेमियों की चिंता वाजिब है। अक्सर देखा जाता है कि ग्रीन पटाखे जलाने वालों पर नियामक एजेंसियां निगरानी नहीं रख पाती हैं। चिंता की बात यह भी है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर घातक पटाखे भी जलाए जा सकते हैं। विगत के अनुभव बताते हैं कि अदालती रोक के बावजूद त्योहार पर जमकर आतिशबाजी हुई थी। दरअसल, कुछ लोगों की दलील थी कि पर्व विशेष पर ही प्रदूषण के नाम पर रोक लगाई जाती है, जिससे त्योहार का रंग फीका हो जाता है। कुछ लोगों ने इसे प्रतिष्ठा का प्रश्न भी बना लिया। लेकिन सवाल यह है कि यह कैसे सुनिश्चित हो पाएगा कि ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचे जा सकें। हमारी निगरानी करने वाली एजेंसियों व विभागों की कारगुजारियों पर अक्सर सवालिया निशान लगाए जाते हैं। वैसे एक हकीकत यह भी है कि हर गली-मोहल्ले की दुकानों में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की निगरानी कर पाना व्यावहारिक भी नहीं है। इस बात को लेकर अक्सर बहस होती रही है कि परंपरागत रूप से दिवाली में पटाखों की अनिवार्यता नहीं रही है। निस्संदेह, दीप पर्व उजाले का उत्सव है, ताकि धरा पर कहीं अंधेरा न रह जाए, गरीब की झोपड़ी भी रोशन हो, समृद्धि हर घर तक पहुंचे। सही मायनों में पर्व सामूहिकता की भावना पर केंद्रित होते हैं। ऐसे में यदि हम घातक पटाखे जलाकर श्वास रोगों से पीड़ित मरीजों से लेकर आम आदमी को मुश्किल में डाल दें, तो यह पर्व का मर्म नहीं कहा जा सकता। वैसे ग्रीन पटाखों के बारे में भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि उनके उत्पादन के दौरान निर्धारित मानकों का पालन किया गया हो। पटाखे जिस गुणवत्ता से बनते और बिकते हैं, कहना मुश्किल ही है कि वे वास्तव में पर्यावरण के अनुकूल होंगे। वैसे यह भी हकीकत है कि दिल्ली में हर साल ठंड की दस्तक के साथ बढ़ने वाले घातक प्रदूषण के लिए सिर्फ पटाखे ही जिम्मेदार नहीं होते। मौसम की प्रतिकूलता तथा जनसंख्या के बढ़ते घनत्व के कारण महानगरों में बहुमंजिला इमारतों के विस्तार से भी हवा का प्राकृतिक प्रवाह बाधित होता है, जिसके चलते प्रदूषण की परत दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी और निकटवर्ती शहरों के ऊपर छाई रहती है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम नागरिकों को भी पटाखों के सीमित व संयमित उपयोग के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के दिल्ली व एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के फैसले के आलोक में कहा जा सकता है कि शेष देश में भी प्रदूषण रोकने के लिए गंभीर पहल की जानी चाहिए। देश के कई अन्य बड़े शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दर्ज हैं। वहीं दूसरी ओर केवल सर्दियों में ही प्रदूषण नियंत्रण की पहल नहीं की जानी चाहिए। यह साल भर निरंतर चलने वाली प्रक्रिया बननी चाहिए। इसके अलावा जरूरी है कि प्रदूषण फैलाने वाले अन्य कारकों पर नियंत्रण किया जाए। हम अक्सर पटाखे व पराली जलाने पर जिम्मेदारी डालकर अन्य प्रदूषण के कारकों को नज़रअंदाज कर देते हैं।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि सिंह की सी (पतली, लचीली) कमर वाले, पीताम्बर धारण किए हुए, शोभा और शील के भंडार, सूर्यकुल के भूषण श्री रामचन्द्रजी को देखकर सखियाँ अपने आपको भूल गईं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

धरि धीरजु एक आलि सयानी। सीता सन बोली गहि पानी॥
बहुरि गौरि कर ध्यान करेहू। भूपकिसोर देखि किन लेहू॥

एक चतुर सखी धीरज धरकर, हाथ पकड़कर सीताजी से बोली- गिरिजाजी का ध्यान फिर कर लेना, इस समय राजकुमार को क्यों नहीं देख लेतीं॥

सकुचि सीयँ तब नयन उघारे। सनमुख दोउ रघुसिंघ निहारे॥
नख सिख देखि राम कै सोभा। सुमिरि पिता पनु मनु अति छोभा॥

तब सीताजी ने सकुचाकर नेत्र खोले और रघुकुल के दोनों सिंहों को अपने सामने (खड़े) देखा। नख से शिखा तक श्री रामजी की शोभा देखकर और फिर पिता का प्रण याद करके उनका मन बहुत क्षुब्ध हो गया॥

परबस सखिन्ह लखी जब सीता। भयउ गहरु सब कहहिं सभीता॥
पुनि आउब एहि बेरिआँ काली। अस कहि मन बिहसी एक आली॥

जब सखियों ने सीताजी को परवश (प्रेम के वश) देखा, तब सब भयभीत होकर कहने लगीं- बड़ी देर हो गई। (अब चलना चाहिए)। कल इसी समय फिर आएँगी, ऐसा कहकर एक सखी मन में हँसी॥

(क्रमशः..)

दीपावली-वैश्विक आलोक का पर्व, अंधकार से प्रकाश दरिद्रता से समृद्धि और मानवता से एकता की ओर

दीपावली, जिसे दीपों का पर्व कहा जाता है, केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ में अब एक वैश्विक सांस्कृतिक उत्सव बन चुकी है

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ में पौराणिक काल से भारतीयों के बीच ऐसी मान्यता है कि जो मां लक्ष्मी के सामने दिल से भावपूर्ण भाव से अपनी मनोकामना रखेगा मां लक्ष्मी उन शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि ज़रूर बरसाती है औरउनकी दरिद्रता गरीबी हर लेती है,व धन-धान्य की बारिश करती है जिसका सटीक दिन दीपावली और पल या क्षण लक्ष्मी पूजा है।इस बार दीपावली की तारीख को लेकर दुनियाँ भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है।भारत में अधिकतम राज्यों लोगों द्वारा सोमवार 20 अक्टूबर 2025 को दीपावली मनाई जा रही है अनेक स्कूलों में भी 19 तारीख से ही छुट्टियां घोषित की गई है,जम्मू कश्मीर सरकार ने दिवाली के पावन पर्व पर राज्य के छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए पूरे देश में सबसे अधिक 15 दिन की लंबी छुट्टियों की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक पूरे दो सप्ताह का दिवाली अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय प्रदेश के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। इस अवधि में प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे और कोई शैक्षणिक गतिविधि नहीं होगी। 2025 में यह पर्व पहले से भी अधिक भव्य, आध्यात्मिक और विश्वव्यापी स्वरूप ले चुका है। इस वर्ष भारत के उत्तर प्रदेश में अयोध्या की पावन नगरी में होने वाला दीपोत्सव विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक आलोक उत्सव बनने जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे भारतीय समुदायोंने भी दीपावली को विश्व सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में मनाने की तैयारी कर ली है। इस बार का दीप पर्व न केवल घर-आंगन बल्कि विश्व के हृदय को भी रोशन करेगा।

साथियों बात अगर कर हम दीपावली पर्व 2025 की बेला आई भक्तों की मन्नतें और मां लक्ष्मी की आराधना को समझने की करें तो,दीपावली का अर्थ ही है, अंधकार पर प्रकाश की विजय ।यह त्योहार हर उस व्यक्ति के जीवन में नई आशा, विश्वास और समृद्धि का दीप जलाता है जो परिश्रम, श्रद्धा और सकारात्मकता में विश्वास रखता है। 2025 की दीपावली की बेला पर भक्तों ने मां लक्ष्मी से अपनी मन्नतें सुनाई, हे मां लक्ष्मी, दरिद्रता, गरीबी और कष्टों को दूर करो, हमारे घरों में धन, ज्ञान और स्वास्थ्य की वर्षा करो ।इस भावना में केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की भी आकांक्षा निहित है।प्रत्येक घर में माँ लक्ष्मी का स्वागत विशेष भक्ति भाव से किया जाता है,द्वारपर रंगोली, आंगन में दीपमाला और पूजा स्थल पर धूप-दीप का समर्पण। यह वह क्षण होता है जब संपूर्ण वातावरण में एक दिव्य ऊर्जा का संचार होता है, जैसे स्वयं ब्रह्मांड भी भक्तों के आह्वान को सुनकर झिलमिलाने लगता है।

साथियों बात अगर हम लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त,कृपा वर्षा का दिव्य क्षण को समझने की करें तो,दीपावली की सबसे प्रमुख संध्या होती है मां लक्ष्मी पूजन की रात्रि, जब पूरा परिवार एकत्र होकर देवी महालक्ष्मी, भगवान विष्णु, गणेश और कुबेर की पूजा-अर्चना करता है।2025 के शुभ मुहूर्त के अनुसार, यह पूजन अत्यंत मंगलकारी संयोग में होगा,जहां ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति धन प्राप्ति, व्यापार उन्नति और सौभाग्य में वृद्धि का संकेत दे रही है।मान्यता है कि लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में स्वयं देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसाने निकलती हैं। जिन घरों में स्वच्छता, शुद्धता और श्रद्धा का वातावरण होता है, वहां मां की विशेष कृपा बरसती है। कहा जाता है, जिस पर लक्ष्मी की नज़र पड़ी,उसकी किस्मतनिहाल हो गई वही कारण है कि इस रात हर घर दीपों से जगमगा उठता है, हर मन में नई उम्मीद जाग उठती है।इस दिन लोग केवल धन की नहीं, बल्कि धर्म, ज्ञान और सद्बुद्धि की कामना भी करते हैं। क्योंकि भारतीय दर्शन के अनुसार धन तभी मंगलकारी होता है जब वह धर्म के मार्ग पर चलकर समाज की भलाई में प्रयुक्त हो।

साथियों बात अगर हम आओ सभी मिलकर,समाज, देश और विश्व की समृद्धि के लिए प्रार्थना करने की करें तो दीपावली केवल व्यक्तिगत सुख-संपत्ति का पर्व नहीं, यह सामूहिक समृद्धि और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस वर्ष का दीपोत्सव विशेष रूप से सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय की भावना को समर्पित है।हर व्यक्ति को इस अवसर पर यह संकल्प लेना चाहिए कि वह अपने परिवार,समाज और देश के कल्याण के लिए कुछ सकारात्मक योगदान देगा। दीप जलाना केवल प्रतीक नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर के अंधकार,ईर्ष्या, घृणा, लोभ, और अहंकार को मिटाने का भी एक प्रयास है।भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष पटाखों और प्रदूषण को लेकर दिशा- निर्देश जारी किए हैं।यह आवश्यक है कि दीपावली का उल्लास प्रकृति की मर्यादाओं के भीतर रहे। हम सभी को चाहिए कि इस पर्व को पर्यावरण-मित्र तरीके से मनाएँ,दीप जलाएँ, पर धुआँ नहीं फैलाएँ। बच्चों को भी यह सिखाना जरूरी है कि उत्सव का आनंद प्रकृति के साथ तालमेल में ही पूर्ण होता है।

साथियों बात अगर हम अयोध्या का दीपोत्सव 2025 के अवसर पर 26 लाख दीयों से जगमगाएगी सरयू घाट को समझने की करें तो,विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बन चुकी अयोध्या में इस बार का दीपोत्सव इतिहास रचने जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 19 अक्टूबर 2025 को सरयू घाट और आसपास के 50 से अधिक घाटों पर कुल 26,11,101 दीप जलाए जाएंगे। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भारत का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराने की तैयारी भी है।अयोध्या में यह दृश्य मानो किसी दिव्य लोक का प्रतीत होता है,सरयू के जल पर झिलमिलाते दीप, मंदिरों की आरतियाँ, राम जन्मभूमि परिसर में गूंजते भजन, और चारों ओर जय श्रीराम का जयघोष। यह वह क्षण है जब पूरी धरती मानो रामराज्य की अनुभूति करती है।इस आयोजन में लाखों श्रद्धालु, पर्यटक और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ड्रोन और उपग्रहों से इस अद्भुत नजारे का सीधा प्रसारण दुनिया भर में किया जाएगा।अयोध्या का यह आलोकोत्सव न केवल धार्मिक भावना का प्रतीक है बल्कि भारत की वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना का भी जीवंत उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम विश्व में गूंजेगी दीपावली,टाइम्स स्क्वायर से लेकर सिडनी हार्बर तक को समझने की करें तो,अब दीपावली केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित नहीं रही। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर में हर वर्ष की तरह इस बार भी दिवाली एट टाइम्स स्क्वायर का आयोजन होगा, जहाँ भारतीय मूल के हजारों लोग दीपों और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे।ब्रिटेन के लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर, सिडनी हार्बर (ऑस्ट्रेलिया), सिंगापुर के लिटिल इंडिया, दुबई के ग्लोबल विलेज, और कनाडा के टोरंटो सिटी हॉल में भी दीपावली महोत्सव मनाया जाएगा। इन आयोजनों में न केवल भारतीय समुदाय बल्कि स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में भाग लेते हैं, जिससे यह पर्व वैश्विक सांस्कृतिक संवाद का माध्यम बन गया है।इन अंतरराष्ट्रीय उत्सवों का संदेश स्पष्ट है,चाहे धर्म,भाषा या भूगोल भिन्न हो,लेकिन प्रकाश का संदेश सार्वभौमिक है। अंधकार के विरुद्ध प्रकाश का यह उत्सव पूरी मानवता को एक सूत्र में पिरो देता है।

साथियों बात अगर हम आध्यात्मिक दृष्टि से दीपावली आत्मप्रकाश का उत्सव को देखने की करें तो,यदि धार्मिक अनुष्ठानों और परंपराओं से परे देखें तो दीपावली का गूढ़ अर्थ है,अपने भीतर के प्रकाश को जगाना। यह वह पर्व है जब व्यक्ति अपने कर्म, विचार और दृष्टिकोण में सुधार कर नई शुरुआत करता है।भगवान श्रीराम का अयोध्या लौटना केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि यह धर्म, सत्य और करुणा की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। हर युग में जब अंधकार बढ़ता है, तब कोई न कोई दीप उसे मिटाने के लिए जलता है। दीपावली हमें यही प्रेरणा देती है कि हम भी अपने भीतर एक दीप बनें,जो अज्ञान के अंधकार को मिटाए, और समाज में सकारात्मक ऊर्जा फैलाए।

साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टि से दीपावली व्यापार,निवेश और रोजगार का पर्व समझने की करें तोदीपावली भारत की सबसे बड़ी आर्थिक गतिविधि का भी समय है। इस अवसर पर बाजारों में करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है,सोना-चांदी,ऑटोमोबाइल,इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, वस्त्र मिठाइयाँ और सजावटी वस्तुएँ, सबकी बिक्री में वृद्धि होती है।2025 में भारत का खुदरा व्यापार संगठनके अनुसार, दीपावली सीजन में लगभग 3.5 लाख करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना है। यह उत्सव न केवल अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देता है बल्कि लाखों छोटे व्यापारियों, कारीगरों और हस्तशिल्पकारों के जीवन में भी खुशियाँ लाता है।

साथियों बात अगर हम पर्यावरणीय जागरूकता,हरित दीपावली की ओर कदम को समझने की करें तो,2025 की दीपावली का विशेष संदेश है, हरित दीपावली,स्वच्छ भारत। सरकार और पर्यावरण संगठनों ने लोगों से आग्रह किया है कि वे मिट्टी के दीपक, प्राकृतिक रंगों और पर्यावरण- मित्र सजावट का उपयोग करें।इस वर्ष कई स्कूलों, कॉलेजों और संस्थानों ने एक दीप प्रकृति के नाम अभियान शुरू किया है, जिसके तहत वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक-मुक्त उत्सव को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे दीपावली का वास्तविक उद्देश्य, प्रकाश फैलाना अपनी सार्थकता में और गहरा हो जाता है।

साथियों बात अगर हम संस्कृति से वैश्विक कूटनीति तकदीपावली का नया आयाम को समझने की करें तो,भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में दीपावली को सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी के रूप में भी प्रस्तुत किया है।संयुक्त राष्ट्र, व्हाइट हाउस और डाउनिंग स्ट्रीट जैसी जगहों पर दीपावली समारोह का आयोजन अब सामान्य बात हो गई है।2025 में, भारत-ब्रिटेन और भारत-अमेरिका संबंधों में सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में दीपावली का उपयोग विशेष महत्व रखेगा। यह संदेश देता है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति भी है,जो विश्व गुरु की भावना को जीवित रखती है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि दीपों की यह रोशनी मानवता का उत्सव है,दीपावली 2025 केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानवता के प्रकाश का उत्सव बन चुकी है। यह हमें याद दिलाती है कि चाहे युग बदल जाए, तकनीक आगे बढ़ जाए,लेकिन प्रकाश का मूल्य कभी कम नहीं होता।जब अयोध्या की सरयू घाट पर 26 लाख दीप जलेंगे, जब टाइम्स स्क्वायर पर भारतवंशी जय श्रीराम और शुभ दीपावली का उद्घोष करेंगे, तब पूरी दुनिया यह संदेश सुनेगी, जहाँ प्रकाश है, वहीं जीवन है। जहाँ प्रेम है, वहीं ईश्वर है। इस दीपावली पर केवल अपने घर ही नहीं, बल्कि अपने हृदय को भी रोशन करें।क्योंकि सच्ची दीपावली वही है जो अंधकार को मिटाकर आत्मा को प्रकाशित कर दे।

-संकलनकर्ता लेखक
एडवोकेट किशन सनमुखदास

दिवाली पर रंगोली

पांच दिनों तक चलने वाला त्योहार है दिवाली। महीनों से इस पर्व की तैयारियां शुरु हो जाती है। कुछ दिनों से पहले घर में सफाई की जाती है और दिवाली के दिन हर एक कोने-कोने को रोशनी से जगमग किया जाता है। दिवाली के पर्व पर लोग अपने घरों में दीए, फूल और तोरण से सजाते हैं। इस दिन घर के कोने में रंगोली बनाई जाती है ताकि मां लक्ष्मी के आगमन हो जाए। वास्तु शास्त्र में बताया है कि घर में रंगोली बनाने के लिए खुशहाली और पॉजिटिव एनर्जी आती है। इसके साथ ही वास्तु शास्त्र में कुछ ऐसी जगहों को बारे में बताया है कि जहां पर रंगोली बनाना सही होता है। आपको बता दें कि, गलत स्थान पर रंगोली बनाने से वास्तु दोष का खतरा रहता है। ऐसा करने से घर में नेगेटिव एनर्जी आने का खतरा बढ़ जाता है। वास्तु के मुताबिक, आप रंगोली के मुख्य द्वार और आंगन में रंगोली को बना सकते हैं। इन जगहों पर रंगोली बनाने से पॉजिटिव एनर्जी घर में चारों तरफ फैली रहती है। इसके अलावा, रंगोली में कभी भी किसी देवी-देवता की आकृति नहीं बनानी चाहिए। इस दिन आप फूल-पत्तियां या फिर स्वास्तिक वाली रंगोली बना सकते हैं, यह काफी शुभ होती है, जिससे घर में सुख और समृद्धि आती है।

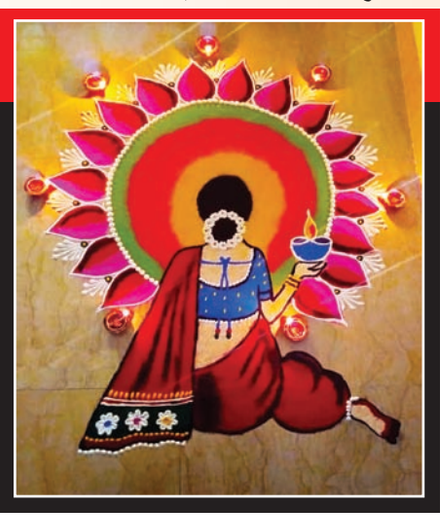

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चे होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी ने
M/s Sai Printing Press, डी-85
सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर
(यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

ट्रम्प के बयान पर जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्लीख, एजेंसी। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदने संबंधी दावे पर निशाना साधा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्रंप के ताजा बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत अब रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। ट्रंप ने कुछ दिनों पहले भी यह दावा किया था कि उनके मित्र प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। जयराम रमेश ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि उनके अच्छे मित्र ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल के आयात में कटौती करेगा। लेकिन वह अच्छे मित्र उस वक्त अचानक मौनी बाबा बन जाते हैं, जब राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रुकवा दिया है और अब जब वह कहते हैं कि भारत रूस से तेल का आयात कम कर देगा। कांग्रेस नेता ने कहा, 'इस बीच अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा पिछले साल की समान अवधि के 49.6 अरब डॉलर की तुलना में बढ़कर 54.4 अरब डॉलर हो गया।' रूस से कच्चे तेल के आयात को लेकर ट्रंप के पिछले दावे के बाद भारत सरकार ने कहा था कि वह बाजार की परिस्थितियों के तहत ऊर्जा स्रोत के आधार को व्यापक और विविध बना रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की हमेशा प्राथमिकता रही है।

दिवाली के पहले सिक्किम सरकार ने याद दिलाया 11 साल पुराना बैन, पटाखों से बचने की सलाह

गंगटोकख, एजेंसी। दिवाली के मौके पर पटाखे जलाएं या न जलाएं? इस सवाल को लेकर हर वर्ष बहस होती ही है। कुछ लोग पटाखों पर बैन लगाने की बात करते हैं, तो कई जगह यह खुलेआम बेचे और चलाए जाते हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी इस साल दिवाली पर ग्रीन पटाखे जलाए जाएंगे। इन सब बातों के बीच सिक्किम के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शनिवार को राज्य की जनता को 11 साल पुराना प्रतिबंध याद दिलाते हुए दिवाली पर पटाखे न फोड़ने का आग्रह किया। एसपीसीबी ने लोगों से राज्य को स्वच्छ, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त रखने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने त्योहारों के दौरान कचरा फैलने से रोकने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक की वस्तुओं का भी उपयोग न करने का आग्रह किया। एसपीसीबी ने एक बयान जारी कर कहा, हम सभी राज्य वासियों को पटाखों की जगह रोशनी से इस त्योहार को मनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं,ताकि यह पर्यावरण के अनुकूल रहे। आइए इस त्योहारी मौसम में अपने समुदाय और पर्यावरण की भलाई को प्राथमिकता दें। एसपीसीबी ने कहा कि राज्य सरकार ने 11 साल पहले ही सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और उन्हें जलाए जाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। बयान में कहा गया, हमें यह याद रखना होगा कि पटाखे फोड़ने से हानिकारक प्रदूषक निकलते हैं। इनकी वजह से कई स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोगों के लिए यह बहुत ज्यादा कष्टकारी हो जाता है। इन पटाखों की वजह से होने वाला ध्वनि प्रदूषण भी जनता के पूरे स्वास्थ्य के ऊपर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

गरीब विचाराधीन कैदियों की जमानत राशि अब सरकार भरेगी, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एक अनूठी एसओपी तैयार की है, जिसमें निर्देश दिया गया कि अगर कोई गरीब व्यक्ति जमानत के लिए आर्थिक गारंटी देने में असमर्थ है, तो सरकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के जरिए इसे मुहैया करेगी। इस तरह उसकी रिहाई सुनिश्चित की जाएगी। अदालत ने यह एसओपी सीनियर वकील सिद्धार्थ लूथरा और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी के सुझावों के बाद तैयार की। यह मामला एससी ने स्वत: संज्ञान में लिया, जब उसे पता चला कि हजारों विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद केवल इसलिए जेल में बंद हैं क्योंकि वे जमानत बांड या गारंटर प्रदान नहीं कर पा रहे हैं। जज एमएम सुंदरेश और एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि डीएलएसए एक लाख रुपये तक की जमानत राशि भर सकता है। अगर ट्रायल कोर्ट ने इससे अधिक राशि तय की है, तो डीएलएसए इसे कम करने के लिए आवेदन दायर करेगा। पीठ ने कहा कि अगर जमानत मिलने के 7 दिनों के भीतर विचाराधीन कैदी को रिहा नहीं किया जाता, तो जेल प्रशासन डीएलएसए सचिव को सूचित करेगा। सचिव तुरंत एक व्यक्ति को यह जांचने के लिए नियुक्त करेगा कि क्या कैदी के पास अपने बचत खाते में धनराशि है। यदि आरोपी के पास पैसे नहीं हैं, तो जिला स्तर की सशक्त समिति डीएलएसए की सिफारिश पर 5 दिनों के भीतर जमानत के लिए धनराशि जारी करने का निर्देश देगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में जहां सशक्त समिति यह सिफारिश करती है कि विचाराधीन कैदी को गरीब कैदियों के लिए सहायता योजना के तहत वित्तीय सहायता दी जाए।

नेशनल कांफ्रेंस राज्य में भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी : उमर अब्दुल्ला

जम्मू , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। अब्दुल्ला ने अपनी सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस राज्य में भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी किसी भी हालत में भाजपा से हाथ नहीं मिलाएगी। वर्ष 2015 में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और भाजपा के बेमेल गठबंधन ने जम्मू-कश्मीर को बर्बादी के कगार पर ला खड़ा किया था। हम आज भी इसके दुष्परिणाम भुगत रहे हैं। मैं वह गलती नहीं दोहराने वाला, जो दूसरों ने की थी। उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद में कुछ और मंत्रियों को शामिल किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा, यह मामला मेरे विचाराधीन है। उपचुनाव संपन्न होते ही हम मंत्रिमंडल विस्तार करेंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार वर्तमान में कुछ संवैधानिक प्रतिबंधों के तहत काम कर रही है, क्योंकि यह एक केंद्र प्रशासित क्षेत्र है। मंत्रियों की संख्या सीमित कर दी गयी है। उन्होंने कहा, यह मानना गलत है कि जब तक कोई व्यक्ति मंत्री नहीं बनता, वह अपने क्षेत्र के लिए काम नहीं कर सकता। मैं सिर्फ गंदेरबल

का मुख्यमंत्री नहीं हूं, बल्कि पूरे जम्मू-कश्मीर का मुख्यमंत्री हूं। इसी तरह सकीना बेगम सिर्फ नूराबाद की मंत्री नहीं हैं, बल्कि पूरे राज्य की सेवा कर रही हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे को पहलगाम की घटना से जोड़ा जा रहा है। इस घटना के लिए न तो चुनी हुई सरकार जिम्मेदार थी और न ही आम जनता ने इसका समर्थन किया। हमले में शामिल लोग जम्मू-कश्मीर के नहीं थे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के मामले में भाजपा को अपने वादे पर ईमानदार होना चाहिए। भाजपा ने कभी नहीं कहा था कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा तभी बहाल होगा, जब वह सत्ता में आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर उनकी यही मंशा है, तो उन्हें जनता के सामने खुलकर कहना चाहिए कि जब तक गैर-भाजपा सरकार रहेगी, राज्य का दर्जा बहाल नहीं होगा। फिर जनता खुद तय करेगी कि क्या करना है। अब्दुल्ला ने स्मार्ट बिजली मीटरों को लेकर जनता की चिंताओं को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के घोषणापत्र में कहीं भी स्मार्ट मीटर हटाने का वादा नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, हमने वादा किया था कि जनता को 200 यूनिट मुफ़्त दी जायेगी, लेकिन यह तभी संभव है, जब स्मार्ट मीटर लगाये जायें, ताकि उपभोक्ताओं की बिजली खपत का सही आकलन हो सके। अगर मीटर ही नहीं होंगे, तो वादा कैसे पूरा होगा।

भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया को झटका, दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोप बरकरार रखे

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा सांसद योगेंद्र चांदोलिया की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने ट्रायल कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को चुनौती दी थी। चांदोलिया पर 2020 में एक ट्रैफिक पुलिस कर्मी पर हमला करने के मामले में आरोप तय किए गए थे। कोर्ट ने माना कि चांदोलिया ने ड्यूटी कर रहे एक सरकारी कर्मचारी को डराने और उसके काम में बाधा डालने के इरादे से आपराधिक बल का प्रयोग किया था। एक रिपोर्ट के अनुसार, राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज दिग विनय सिंह ने उत्तर-पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से सांसद योगेंद्र चांदोलिया द्वारा दायर एक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। चांदोलिया ने 3 मई को ड्यूटी पर तैनात एक सरकारी कर्मचारी पर हमला करने और आपराधिक बल प्रयोग करने से संबंधित आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ यह याचिका दायर की थी। यह मामला 7 अक्टूबर 2020 का है, जब करोल बाग ट्रैफिक सर्किल पर तैनात हेड कॉन्स्टेबल राज ने आरोप लगाया था कि सांसद चंदोलिया ने अतिक्रमणकारी दोपहिया वाहन को हटाने के दौरान उनके काम में बाधा डाली। एफआईआर के अनुसार, जब हेड कॉन्स्टेबल राज एक दोपहिया वाहन को हटाने की कार्रवाई कर रहे थे, तभी चांदोलिया ने उनसे बहस की। उन्हें क्रेन से नीचे खींचने की कोशिश की और जब कॉन्स्टेबल ने घटना की रिकॉर्डिंग शुरू की तो उनका फोन छीनने का प्रयास किया गया। चांदोलिया के एक साथी ने कथित तौर पर कॉन्स्टेबल का फोन छीन भी लिया। जज दिग विनय सिंह ने कहा कि शिकायतकर्ता के बयान से सांसद के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला स्थापित होता है। अदालत ने कहा, शिकायतकर्ता को डराने या परेशान करने के इरादे से आपराधिक बल का इस्तेमाल किया गया था। यह लोक सेवक को अपने कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के इरादे से किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि लगाए गए आरोप पूरी तरह से न्यायोचित थे क्योंकि अपराध के होने का पर्याप्त संदेह था।

इंडिया गठबंधन बिना मुख्यमंत्री चेहरे के लड़ेगा बिहार चुनाव? तेजस्वी यादव के नाम पर अब तक पेच

नई दिल्ली , एजेंसी। इंडिया गठबंधन बिहार विधानसभा चुनाव में बिना मुख्यमंत्री चेहरे के उतर सकता है, क्योंकि राजद की ओर से तेजस्वी यादव को सीएम फेस घोषित करने की मांग पर कांग्रेस और सीपीआई-एमएल ने अभी तक स्पष्ट सहमति नहीं दी है। आरजेडी लंबे समय से तेजस्वी को गठबंधन का नेता घोषित करने पर जोर दे रहा है, लेकिन कांग्रेस ने इस मुद्दे पर कोई ठोस बयान देने से परहेज किया है। कांग्रेस के कुछ नेताओं का कहना है कि तेजस्वी की अगुवाई में कोई अस्पष्टता नहीं है, क्योंकि वे विपक्ष के नेता और गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी के प्रमुख हैं। हालांकि, आधिकारिक घोषणा का इंतजार जारी है। सीट बंटवारे को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच लंबे समय से चला आ रहा विवाद जल्द सुलझने की उम्मीद है, लेकिन कई सीटों पर महागठबंधन के भीतर ही लड़ाई की स्थिति बनी हुई है। बछवारा, वैशाली, तारापुर, गौरा बौरम, लालगंज, कहलगांव, राजापाकर, रोसड़ा, बिहारशरीफ और वारिसलीगंज जैसी सीटों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। उदाहरण के लिए बछवारा और रोसड़ा में कांग्रेस व सीपीआई, वैशाली और कहलगांव में राजद व कांग्रेस आमने-सामने हैं। इस तरह के आंतरिक टकराव गठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठा रहे हैं।

राजद का दबाव बढ़ता जा रहा तेजस्वी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने की मांग को लेकर राजद का दबाव बढ़ता जा रहा है। आरजेडी का कहना है कि यह मुद्दा महागठबंधन के लिए अहम है, क्योंकि तेजस्वी यादव और मुस्लिम समुदाय में उनकी लोकप्रियता को भुनाया जा सकता है। हालांकि, एनडीए गठबंधन लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को लेकर जंगलराज और भ्रष्टाचार वाला बताया है। यह छवि तेजस्वी की उम्मीदवारी को विवादास्पद बना सकती है। हाल ही में स्पेशल कोर्ट ने लालू को एक मामले में भ्रष्टाचार का स्रोत करार दिया, जिससे तेजस्वी की उम्मीदवारी को लेकर सियासी नुकसान की आशंका बढ़ गई। इंडिया गठबंधन ने अपने घोषणापत्र का मसौदा तैयार कर लिया है। कई लोगों का मानना है कि इसे जारी करने के दौरान मुख्यमंत्री उम्मीदवार की घोषणा हो सकती है। दूसरी ओर, कांग्रेस और सीपीआई-एमएल की रणनीतिक चुप्पी से हलचल बढ़ी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि वे तेजस्वी की उम्मीदवारी को लेकर असमंजस में हैं।

हिमाचल प्रदेश के सम्मू गांव एक सती के श्राप के कारण नहीं मना पाते दिवाली

हमीरपुर , एजेंसी। दिवाली पर जहां सारा देश रोशनी में डूबा रहता है वहीं हिमाचल प्रदेश के एक गांव में अंधेरा पसरा रहता है। जब भी इस गांव के लोग दिवाली मनाने की कोशिश करते हैं तो कुछ अनहोनी हो जाती है। ऐसा एक सती द्वारा दिए गए श्राप के कारण होता है। इस गांव में दिवाली नहीं मनाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले का सम्मू गांव एक सती के श्राप के कारण इस साल भी दिवाली नहीं मना पाएगा। यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। गांव की उपप्रधान वीना देवी ने शनिवार को बताया कि स्थानीय लोग दिवाली के दिन जानबूझकर अंधेरा करने की परंपरा चला रहे हैं। दरअसल, दिवाली के ही दिन एक महिला ने अपने पति की चिता पर खुद को जलाकर उस दिन श्राप दिया था।

जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर दूर सम्मू गांव के लोगों का कहना है कि दिवाली मनाने की कोई भी कोशिश आपदा का पूर्वाभास देता है। गांव वालों के अनुसार, कुछ सौ साल पहले एक गर्भवती महिला दिवाली की तैयारी कर रही थी। उसी समय उसके पति का शव घर लाया गया। उसका पति स्थानीय राजा की सेना में एक सैनिक था। इससे दुखी होकर उस महिला ने खुद को अपने पति की चिता की अग्नि में झोंक दिया। लेकिन ऐसा करने से पहले उसने एक श्राप दिया कि गांव के लोग कभी दिवाली नहीं मना पाएंगे।

एक बुजुर्ग ग्रामीण ठाकुर बिधि चंद ने बताया कि जब भी वे दिवाली मनाने की कोशिश करते हैं तो या तो किसी की मौत हो जाती है या गांव पर कोई विपत्ति आ पड़ती है। उन्होंने बताया कि हवन और अन्य अनुष्ठानों के जरिए इस श्राप को दूर करने की कोशिशें की गईं, लेकिन सब व्यर्थ रहा।

एक अन्य ग्रामीण विजय कुमार ने बताया कि तीन साल पहले ग्रामीणों ने एक विशाल यज्ञ किया था, लेकिन श्राप की शक्ति अभी भी उन पर हावी है। इतने सालों बाद भी इस श्राप का प्रभाव इतना ज्यादा है कि कई लोग इस दिन अपने घरों से बाहर भी नहीं निकलते।

सनातनियों की संगति से बचें, आरएसएस और संघ परिवार से सावधान रहें: सिद्धारमैया

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने लोगों से सनातनियों की संगति से बचने को कहा है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और संघ परिवार से सावधान रहने की भी अपील की। सिद्धारमैया ने कहा कि आरएसएस और संघ परिवार ने ऐतिहासिक रूप से डॉ. भीम राव आंबेडकर और उनकी ओर से बनाए गए संविधान का विरोध किया है। मैसूर विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह का उद्घाटन करने और नए ज्ञान दर्शन भवन का लोकार्पण करने के बाद सिद्धारमैया ने कहा, 'अपनी संगति ठीक रखें। उन लोगों से जुड़ें जो समाज के लिए खड़े हैं, न कि उन लोगों के साथ जो सामाजिक परिवर्तन का विरोध करते हैं या सनातनियों के साथ हैं। चीफ जस्टिस बीआर गवई की ओर जूता फेंके जाने की घटना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'एक

सनातनी की ओर से प्रधान न्यायाधीश की ओर जूता फेंकना यह दर्शाता है कि समाज में अब भी सनातनी और रूढ़िवादी तत्व मौजूद हैं। इस कृत्य की निंदा केवल दलितों को ही नहीं, बल्कि सभी को करनी चाहिए। तभी हम कह सकते हैं कि समाज बदलाव की राह पर आगे बढ़ रहा है।' सिद्धारमैया ने यह भी आरोप लगाया कि ऋस और संघ परिवार ने आंबेडकर के संविधान का विरोध किया था और अब भी कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

आंबेडर के बारे में क्या बोले सिद्धारमैया : बीआर आंबेडकर को एक दूरदर्शी व्यक्ति बताते हुए सिद्धरमैया ने कहा, 'बाबा साहब ने समाज को समझने के लिए ज्ञान अर्जित किया और जीवन भर समाज को बदलने के लिए इसका उपयोग किया।' भाजपा और संघ परिवार पर आंबेडकर के नाम पर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, 'वे झूठ फैला रहे हैं कि कांग्रेस ने चुनावों में आंबेडकर को हराया। लेकिन सचाई वही है जो आंबेडकर ने खुद अपने हाथ से लिखा था - सावरकर और डांगे ने मुझे हराया। संघ परिवार के झूठ को उजागर करने के लिए ऐसी सच्चाई को समाज के सामने रखा जाना चाहिए।

आंबेडकर कभी पैदा नहीं होंगे : आंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के बारे में सिद्धारमैया ने कहा, 'मैंने इसकी स्थापना इसलिए की ताकि आंबेडकर पर अध्ययन करने वाले लोग उनके रास्ते पर चल सकें। आंबेडकर बेजोड़ हैं। दूसरे आंबेडकर कभी पैदा नहीं होंगे, लेकिन सभी को उनके आदर्शों का पालन करना चाहिए और उनके पदचिह्नों पर चलना चाहिए।' राष्ट्र के प्रति आंबेडकर के योगदान की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'उन्होंने विश्व के सभी संविधानों का अध्ययन किया और उन्हें आत्मसात किया। भारत को उसके समाज के लिए सर्वोत्तम संविधान दिया।' उन्होंने कहा कि वह बुद्ध, बासव (12वीं सदी के समाज सुधारक) और आंबेडकर के विचारों में विश्वास करते हैं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि तार्किकता और वैज्ञानिक सोच बढ़ेगी। ऐसा व्यक्ति मत बनो जो विज्ञान तो पढ़ता है लेकिन अंधविश्वास पर अमल करता है।

एक कदम नशा-मुक्त समाज की ओर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। प्रज्ञान स्कूल ग्रेटर नोएडा में इंटर स्कूल डिबेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का प्रायोजन इनर व्हील क्लब ऑफ ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने किया गया।

कार्यक्रम 15 और 16 अक्टूबर को दो दिनों तक चला, जिसमें 11 विद्यालयों के लगभग 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर अपने सशक्त विचार और प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए, जिससे समाज में जागरूकता फैलाने का सशक्त संदेश गया।

कार्यक्रम का समापन एक प्रेरणादायक और विचारोत्तेजक अंतिम प्रस्तुति के साथ हुआ, जिसने सभी को एक स्वस्थ, नशा-मुक्त भविष्य की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट कमेटी चेयरपर्सन मधु नागपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

क्लब की अध्यक्ष अमिता सिंह एवं सदस्याएं रेखा डबे, मंजू, अनीता, आंचल, सरिता, संगीता, अभिलाषा, अर्चना, सुनीला सोनी और ज्योति ने

कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई।

सभी ने इस पहल को समाज में नशा मुक्ति के संदेश को फैलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम बताया।

पृष्ठ एक के शेष....

प्रधानमंत्री ने आईएनएस...

पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन अद्भुत है। ये दृश्य अविस्मरणीय है। आज मेरे पास एक तरफ समंदर है, तो दूसरी तरफ मां भारती के वीर जवानों की ताकत है। आज एक तरफ मेरे पास अनंत क्षितिज...अनंत आकाश है और दूसरी तरफ अनंत शक्तियों का प्रतीक यह विशालकाय आईएनएस विक्रांत है। समुद्र के जल पर सूर्य की किरणों की चमक, वीर सैनिकों द्वारा जलाए गए दिवाली के दीयों के समान है। पीएम मोदी ने कहा कि आईएनएस विक्रांत आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दीपावली के पर्व में हर किसी को अपने परिवार के बीच दीवाली मनाने का मन करता है। मुझे भी मेरे परिवार जनों के बीच दिवाली मनाने की आदत हो गई है और इसलिए आप जो मेरे परिवार जन हैं, उनके बीच मैं दिवाली मनाने चला जाता हूं। मैं भी ये दिवाली मेरे परिवार जनों के साथ मना रहा हूं... उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है, जब आईएनएस विक्रांत को देश को सौंपा जा रहा था तो मैंने कहा था कि विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है, विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है बल्कि ये 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कारवार के तट पर आईएनएस विक्रांत पर दिवाली मनाते हुए कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि इस बार मैं दिवाली का यह पावन त्योहार नौसेना के आप सभी वीर जवानों के बीच मना रहा हूं। विक्रांत पर बिताई कल की रात, इस अनुभव को शब्दों में कहना कठिन है। मैं देख रहा था कि आप उमंग, उत्साह से भरे हुए थे... आपने स्वरचित गीत गाए। आपने अपने गीतों में जिस प्रकार से ऑपरेशन सिंदूर का वर्णन किया, शायद कोई और कभी इस अनुभूति को प्रकट नहीं कर पाएगा जो युद्ध के मैदान में खड़ा जवान कर पाएगा।

पीएम मोदी ने कहा, मैं इस अवसर पर हमारी सेनाओं को खासतौर पर सलाम करना चाहता हूं। भारतीय नौसेना द्वारा जो भय पैदा किया गया है, भारतीय वायुसेना द्वारा दिखाए गए अद्भुत कौशल ने, भारतीय सेना की जांबाजी ने, तीनों सेनाओं के जबरदस्त समन्वय ने, ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को इतनी जल्दी घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था और इसलिए आज मैं फिर एक बार आईएनएस विक्रांत की इस पवित्र साधना स्थली से, पराक्रमी स्थली से, तीनों सेना के जांबाज जवानों को सलाम करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा, देशवासी आप जहां भी सुन रहे हैं, ये आंकड़ा याद रखिएगा.....आज हमारी क्षमता क्या है, अब औसतन हर 40 दिन स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी नेवी में शामिल की जा रही है। हमारी स्वदेशी ब्रह्मोस और आकाश मिसाइलों ने क्षमता साबित की है। ब्रह्मोस को नाम सुनते ही कई लोग डर जाते है। कई देश इन मिसाइलों को खरीदना चाहते हैं। भारत तीनों के सेनाओं के हथियार-उपकरण एक्सपोर्ट करने की क्षमता बिल्ट कर रहा है। हमारी कोशिश है कि भारत टॉप एक्सपोर्टर देशों में शामिल हो। हमारा डिफेंस एक्सपोर्ट 30 गुना तक बढ़ गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शक्ति और सामर्थ्य को लेकर हमारी परंपरा रही है, हमारा विज्ञान, हमारी समृद्धि और हमारी मानवता की सेवा और सुरक्षा के लिए होती है। आज इंटरकनेक्टिंग वर्ल्ड में दुनिया समुद्री रास्तों पर निर्भर है। आज हिंद महासागर में दुनिया बड़ा आवागमन (शिपमेंट और ऑयल ट्रांसपोर्टेशन) हो रहा है, भारतीय नेवी इसकी चाकचौबंद सुरक्षा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला...

मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी मंदिर के गद्दीनशीन महंत प्रेमदास से भी मुलाकात की। मुख्यमंत्री के आगमन पर मंदिर परिसर 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। संतों और पुजारियों ने पारंपरिक विधि से उनका स्वागत किया। हनुमानगढ़ी से निकलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने प्रभु श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की।

मुख्यमंत्री ने राम दरबार में भी दर्शन-पूजन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण की प्रार्थना की। दर्शन के उपरांत जब वे मंदिर परिसर से बाहर निकले तो श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

रामलला के दर्शन करने के बाद वह वाल्मिकी समाज के लोगों से मिलकर उनके साथ दिवाली मनाई। इसके बाद सीएम ने कंधरपुर में निषाद बस्ती में निषाद समाज के लोगों से मुलाकात की और उपहार बांटे। सीएम योगी ने यहां वाल्मिकी और निषाद समाज के लोगों को उनके कार्यों के लिए विशेष तौर पर बधाई दी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के कारसेवकपुरम में दीपोत्सव मिलन समारोह में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में दीपोत्सव ने अयोध्या को एक नई वैश्विक पहचान दी है। जो दीप सर्वत्र प्रकाश फैलाता है, वही अयोध्या के प्रकाश को विश्व में भी फैला सकता है। हमें उत्साह और उमंग के साथ कार्य करना चाहिए, साथ ही समाज और राष्ट्र के लिए विघटनकारी और विनाशकारी तत्वों से सतर्क और सावधान रहना चाहिए। श्री राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान और आज अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद यह जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। हमें समाज के हर वर्ग को एकजुट करना होगा... सुबह मुझे सफाई कर्मचारियों की बस्ती में जाकर मिठाई बांटने का अवसर मिला।

दीवाली पर नोएडा...

AQI 344 रहा. इस तरह आनंद विहार में प्रदूषण की स्थिति सबसे चिंताजनक बनी हुई है। रविवार शाम 6 बजे AQI 300 था और 7 बजे यह 302 पहुंच गया था, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है।

अब NCR में GRAP स्टेज-II के तहत तय सभी कदम तुरंत लागू किए जाएंगे. ये कदम GRAP स्टेज-1 की कार्रवाइयों के अलावा लागू रहेंगे. आयोग ने NCR राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (PCBs) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) को सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं.

लक्ष्मी पूजा का शुभ मुहूर्त सही समय

दिवाली लक्ष्मी पूजन मंत्र

ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मीभ्यो नमः
ॐ श्रीं ल्कीं महालक्ष्मी महालक्ष्मी एह्योहि सर्व सौभाग्यं देहि मे स्वाहा
ॐ श्री ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मयै नमः
धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च। भगवान त्वत्प्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः

लक्ष्मी पूजा की सरल और सही विधि:-

माता लक्ष्मी की करें षोडशोपचार पूजाः- षोडशोपचार पूजन अर्थात 16 तरह से पूजन करना। ये 16 प्रकार हैं- 1.ध्यान-प्रार्थना, 2.आसन, 3.पाद्य, 4.अर्घ्य, 5.आचमन, 6.स्नान, 7.वस्त्र, 8.यज्ञोपवीत, 9.गंधाक्षत, 10.पुष्प, 11.धूप, 12.दीप, 13.नैवेद्य, 14.ताम्बूल, दक्षिणा, जल आरती, 15.मंत्र पुष्पांजलि, 16.प्रदक्षिणा-नमस्कार एवं स्तुति।

माता लक्ष्मी की पूजा में लगने वाली प्रमुख पूजन सामग्री:

प्रतिमा/चित्रः- माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमा या चित्र (लक्ष्मी जी की बैठी हुई मुद्रा शुभ मानी जाती है)।

सजावट एवं आसनः- चौकी/पट्टा, लाल/पीला वस्त्र (आसन के लिए), रंगोली बनाने का सामान।

स्नान और शुद्धिः- गंगाजल, शुद्ध जल, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, गंगाजल/चीनी का मिश्रण)।

वस्त्र और आभूषणः- देवी-देवताओं के लिए नए वस्त्र, आभूषण, चूड़ियाँ, बिंदी, सिंदूर, काजल, मेंहदी।

पुष्प और मालाः- कमल का फूल (अति आवश्यक), गुलाब या अन्य सुगंधित फूल, फूलों की माला।

अर्घ्य और भोगः- अक्षत (चावल), कुमकुम (रोली), हल्दी, चंदन, अबीर, गुलाल।

प्रकाश और धूपः- दीपक/दीये, तेल/घी, रुई की बाती (नई), माचिस, धूप/अगरबत्ती, कपूर।

नैवेद्य (भोग):- मिठाई, फल (जैसे सिंघाड़ा, गन्ना), बताशे, खील (धान का लावा), पान के पत्ते, सुपारी, इलायची, लौंग।

अन्य महत्वपूर्णः- कौड़ी, कमलगट्टा, धनिया के दाने, दक्षिणा (पैसे/सिक्के), कलश, आम के पत्ते, पंचपल्लव।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन में कमल का फूल, खील-बताशे और धनिया रखना बहुत शुभ माना जाता है।

दीपक जलाने के लिए घी या तिल के तेल का प्रयोग करें।

पूजा से पहले पूरे घर और पूजा स्थान को अच्छी तरह से साफ कर लें।

लक्ष्मी पूजा (दीपावली पूजन) की एक **सरल और क्रमबद्ध विधि:-**

पूजन की तैयारीः

1. स्नान और शुद्धता: सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र (हो सके तो नए या धुले हुए) धारण करें। माथे पर तिलक लगाएँ।

2. स्थान और आसन: पूजा के लिए एक शांत और स्वच्छ स्थान चुनें। एक चौकी या पट्टे पर लाल या पीला वस्त्र बिछाएँ।

3. मूर्ति स्थापनाः चौकी पर भगवान गणेश को दाईं ओर (आपके बाएँ) और माता लक्ष्मी को बाईं ओर (आपके दाएँ) स्थापित करें। (गणेश जी को पहले पूजना शुभ होता है)।

4. कलश स्थापना (संक्षिप्त): एक कलश (लोटा) में जल भरकर, उस में सुपारी, सिक्का, और कुछ अक्षत डालें। कलश के मुख पर आम के पत्ते लगाकर उस पर एक नारियल रखें। यह कलश वरुण देव का प्रतीक है।

5. धन की स्थापना: मूर्तियों के सामने एक लाल कपड़े पर अपने गहने, धन (सिक्के/नोट), बही-खाते, और व्यापार से संबंधित वस्तुएं रखें।

6. दीपक: घी या तेल का दीपक जलाएँ और उसे अक्षत/हल्दी के आसन पर रखें।

2. पूजा का क्रम: पूजा हमेशा भगवान गणेश से शुरू करें, उसके बाद माता लक्ष्मी की पूजा करें।

1. पवित्रीकरण- हाथ में जल लेकर स्वयं पर और पूजा सामग्री पर छिड़कें।

2. संकल्प- हाथ में थोड़ा जल, फूल और अक्षत लेकर, मन में अपनी मनोकामना कहें और संकल्प करें कि आप माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करने जा रहे हैं। फिर जल को जमीन पर छोड़ दें।

3. गणेश जी का पूजन- गणेश जी को रोली, अक्षत, दूर्वा, फूल और मोदक/लड्डू अर्पित करें। मंत्रः ॐ गं गणपतये नमः।

4. लक्ष्मी जी का आह्वान- माता लक्ष्मी का ध्यान करें। हाथ में फूल लेकर उन्हें अर्पित करें और उनका आह्वान करें।

5. स्नान (पंचामृत)- माता लक्ष्मी की प्रतिमा को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद, चीनी) और फिर शुद्ध जल से स्नान कराएँ। प्रतिमा को पोंछकर पुनः स्थापित करें।

6. वस्त्र/आभूषण- माता लक्ष्मी को लाल चुनरी, वस्त्र, और आभूषण (जैसे चूड़ी, बिंदी) अर्पित करें।

7. तिलक और पुष्प- माता लक्ष्मी को रोली (कुमकुम), हल्दी और अक्षत से तिलक करें। उन्हें कमल का फूल (अति आवश्यक) या कोई अन्य लाल/पीला फूल चढ़ाएँ।

8. धूप-दीप- धूप और अगरबत्ती जलाएँ। घी का दीपक प्रज्वलित रखें।

9. नैवेद्य (भोग)- माता लक्ष्मी को खील, बताशे, मिठाई, फल (सिंघाड़ा, गन्ना), पान-सुपारी, और जल अर्पित करें।

10. विशेष समर्पण- कौड़ी, कमलगट्टा, धनिया के दाने और सिक्के माता लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करें।

11. मंत्र जाप- लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें या निम्न मंत्र का जाप करें: ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

12. आरती- कपूर या दीपक से भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की आरती करें।

13. क्षमा प्रार्थना- हाथ जोड़कर पूजा में हुई किसी भी भूल के लिए क्षमा माँगें।

4. प्रसाद वितरण- सभी को प्रसाद बाँटें और घर के हर कोने में दीपक जलाएँ।

पूजा के बाद (अगले दिन): पूजा में चढ़ाए गए सिक्के, कमलगट्टा और कौड़ियों को एक लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें। बाकी प्रसाद (खील-बताशे) का पूरे परिवार और पड़ोसियों में वितरण करें।

दीपावली की आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता,
मैय्या जय लक्ष्मी माता।
तुमको निशदिन सेवत,
हरि विष्णु विधाता॥ ॐ जय...
उमिया, रमा, तुम हो जग-माता।
सूर्य-चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता॥ ॐ जय...
दुर्गा रूप निरंजनि, सुख सम्पत्ति दाता।
जो कोई तुमको ध्यावत, नित मंगल पाता॥ ॐ जय...
तुम पाताल-निवासिनी, तुम ही शुभदाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी, भवनिधि की त्राता॥ ॐ जय...
जिस घर में तुम रहतीं, सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता॥ ॐ जय...
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता॥ ॐ जय...
शुभ गुण मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता॥ ॐ जय...
आरती लक्ष्मी माता, जो कोई गाता।
उर आनंद समाता, पाप मिट जाता॥ ॐ जय...

दिवाली प्रदोष काल

ज्योतिषियों के मुताबिक 20 अक्तूबर 2025 को दिवाली पर प्रदोष काल शाम 05 बजकर 36 मिनट से लेकर रात 08 बजकर 07 मिनट तक रहेगा।

इसमें स्थिर लग्न वृष का समावेश 06 बजकर 59 मिनट से लेकर 08 बजकर 56 मिनट तक रहेगा।

पूजन सामग्री

पूजा के लिए मां लक्ष्मी और गणेश जी की प्रतिमा और कलावा अवश्य रखें।

भगवानों के वस्त्र और शहद शामिल करें।

गंगाजल, फूल, फूल माला, सिंदूर और पंचामृत।

बताशे, इत्र, चौकी और लाल वस्त्र के साथ कलश।

शंख, आसन, थाली, चांदी का सिक्का।

कमल का फूल और हवन कुंड।

हवन सामग्री, आम के पत्ते और प्रसाद

रोली, कुमकुम, अक्षत (चावल), पान।

इस दौरान सुपारी, नारियल और मिट्टी के दीए संग रुई भी शामिल करें।

लक्ष्मी पूजा विधि

लक्ष्मी पूजन से पहले घर की साफ-सफाई का खास महत्व है, इसलिए सभी जगह गंगाजल का छिड़काव करें।

घर के मुख्य दरवाजे पर रंगोली और तोरण द्वार बनाएं।

अब लक्ष्मी पूजन के लिए सर्वप्रथम एक साफ चौकी पर लाल रंग का नया वस्त्र बिछाएं।

अब चौकी पर लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति स्थापित करें और सजावट का सामान से चौकी सजाएं।

माता लक्ष्मी और गणेश भगवान की मूर्ति को वस्त्र पहनाएं और इस दौरान देवी को चुनरी अवश्य अर्पित करें। अब साफ कलश में जल भरें और चौकी के पास रखें दें।

प्रथम पूज्य देवता का नाम लेते हुए भगवानों को तिलक लगाएं ।

लक्ष्मी-गणेश को फूल माला पहनाएं और ताजे फूल देवी को अर्पित करें। इस दौरान कमल का फूल चढ़ाना न भूलें।अब अक्षत, चांदी का सिक्का, फल और सभी मिठाई संग भोग अर्पित करें।

यदि आपने किसी वस्तु या सोना-चांदी की खरीदारी की है, तो देवी लक्ष्मी के पास उसे रख दें।

शुद्ध देसी घी से दीपक जलाएं और इसके साथ ही घर के कोने में रखने के लिए कम से कम 21 दिए भी इसके साथ जलाएं।

अब भगवान गणेश जी आरती करें और गणेश चालीसा का पाठ भी करें

देवी लक्ष्मी की आरती और मंत्रों का जाप करें।

अब घर के सभी कोनों में दीपक रखें और तिजोरी में माता की पूजा में उपयोग किए फूल को रख दें। अंत में सुख-समृद्धि की कामना करते हुए पूजा में हुई भूल की क्षमा मांगे।

सोने-चांदी से सजेंगी मां कामाक्षी

दिवाली के पावन अवसर पर मां कामाक्षी देवी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और भव्य पालकी यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस दिन मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन यहां एक विशेष परंपरा के कारण हर कोई देवी के दर्शन नहीं कर पाता। दरअसल, मां कामाक्षी के गर्भगृह में प्रवेश को लेकर कुछ धार्मिक नियम और मर्यादाएं तय हैं, जिनका पालन करना बहुत जरूरी है। मान्यता है कि देवी कामाक्षी, शक्ति की दिव्य स्वरूपा हैं और दिवाली के दिन उनका जागरण और विशेष श्रृंगार किया जाता है। इस अवसर पर सोने-चांदी के आभूषणों से मां का श्रृंगार किया जाता है और मंदिर में दीपों की अद्भुत सजावट होती है। शाम को निकाली जाने वाली पालकी यात्रा में देवी की प्रतिमा को पारंपरिक संगीत और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नगर भ्रमण कराया जाता है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, गर्भगृह में सीमित पुजारियों को ही प्रवेश की अनुमति होती है, ताकि धार्मिक अनुशासन और परंपरा बनी रहे। माना जाता है कि जिस किसी के भी माता-पिता की मृत्यु हो जाती है, या दोनों में से किसी एक की भी मौत हो जाती है, तो वो लोग मंदिर में मां कामाक्षी के दर्शन के लिए नहीं आ सकते हैं। मृत्यु के एक साल बाद मंदिर में दर्शन करने की परंपरा है। श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्थापित विशेष मंडप से देवी के दर्शन कर सकते हैं। दिवाली के दिन मां कामाक्षी के दर्शनों से सुख-समृद्धि और सौभाग्य प्राप्त होने की मान्यता है।

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन

दीपावली पर लक्ष्मी पूजन का समय कारखाने के लिए दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक पूजन होगा और शोरूम अथवा प्रतिष्ठान पर समय 5:30 बजे 9:00 बजे तक पूजन कर सकते हैं। घरों में पूजन का समय 9:00 बजे से लेकर 11:30 बजे तक रहेगा।

दिवाली की रात का शगुन

दिवाली के दिन महालक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर सवार होकर पृथ्वी भ्रमण के लिए आती हैं। इसलिए लोग अपने घर और छत की सफाई करते है। घर में रंगोली बनाकर देवी लक्ष्मी का स्वागत करते हैं। कहते हैं कि इस रात कुछ ऐसे शगुन होते हैं जो बताते हैं कि महालक्ष्मी का घर में आगमन हुआ है।

2025 में कब है मुहूर्त ट्रेडिंग?

मुहूर्त ट्रेडिंग 2025 में 20 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। इस दिन स्टॉक मार्केट एक घंटे के लिए विशेष रूप से खुला रहेगा। सामान्य ट्रेडिंग सेशन शाम 6:15 बजे शुरू होगा और 7:15 बजे समाप्त होगा। ट्रेडिंग के दौरान विभिन्न सेगमेंट्स में ट्रेडिंग की जा सकेगी, जिसमें इक्विटी, डेरिवेटिव्स, और करेंसी ट्रेडिंग भी शामिल हैमुहूर्त ट्रेडिंग को शुभ मानते हुए निवेशक इस समय में नई शुरुआत करते हैं, और इसे दीवाली के साथ जुड़ी एक महत्वपूर्ण ट्रेडिंग परंपरा के रूप में देखा जाता है।

दिवाली बन रहा अद्भुत शिववास योग

दीपावली का त्योहार आज मनाया जा रहा है। सोमवार को भगवान शिवजी का पूजा का दिन है। इसलिए इस वार दिवाली पर शिववास योग बन रहा है। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतिनिधित्व करता है। दिवाली पांच दिनों तक चलती है, जिसमें धनतेरस, छोटी दिवाली, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं। इस दिन लोग अपने घरों को दीयों और रोशनी से सजाते हैं, लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करते हैं। इस बार दिवाली पर भद्रवास योग और शिववास योग का संयोग बन रहा है। इस दिन भगवान शिव की पूजा करना कल्याणकारी होगा। इसके अलावा, इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा करना उचित समय रहेगा। बता दें कि, भद्रवास योग सुबह 08 बजकर 44 मिनट तक रहेगा। इस दौरान शुभ काम नहीं करें और पितरों की पूजा भी न करें। वहीं, शिववास योग सुबह 06 बजकर 48 मिनट से होगा। इस योग में शिव-शक्ति की पूजा करने से साधकों की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। स्कंदपुराण में लिखा है कि दिवाली वाले दिन सबसे पहले पितरों का श्राद्ध किया जाता है। इसके बाद कार्य किए जाते हैं। स्कंदपुराण में लिखा है कि सुबह जल्दी उठकर स्नान करके देवताओं और पितरों की पूजा करना शुभ होता है। इसके बाद दही, दूध, और घी आदि से पार्वण श्राद्ध करें। बता दें कि, पार्वण श्राद्ध पितरों के सम्मान और शांति के लिए किया जाता है। क्योंकि यह अमावस्या के दिन किया जाता है। इसके अलावा, प्रदोष के समय में माता लक्ष्मी और गणेश पूजन करना चाहिए।

दिवाली पर लक्ष्मी पूजन के दिन शुभ चौघड़िया मुहूर्त

अमृत- सर्वोत्तम-

सुबह 6 बजकर 25 मिनट से 7 बजकर 50 मिनट तक

शुभ- उत्तम-

सुबह 9 बजकर 15 मिनट से 10 बजकर 40 मिनट तक

लाभ - उन्नति -

दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से लेकर शाम 4 बजकर 21 मिनट तक

अपराह्न मुहूर्त-

दोपहर 3 बजकर 44 मिनट से शाम 5 बजकर 46 मिनट तक

सायान्ह मुहूर्त-

शाम 5 बजकर 46 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 21 मिनट तक

अमृत - सर्वोत्तम -

शाम 4 बजकर 21 मिनट से लेकर शाम 5 बजकर 46 मिनट तक

मां लक्ष्मी को कमल क्यों है प्रिय?

दिवाली त्योहार की शुरुआत हो चुकी है। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतिनिधित्व करता है। दिवाली पांच दिनों तक चलती है, जिसमें धनतेरस, छोटी दिवाली, दिवाली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज शामिल हैं। इस दिन लोग अपने घरों को दीयों और रोशनी से सजाते हैं,माता लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा करते हैं, और अपने प्रियजनों के साथ समय बिताते हैं। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दिवाली वाली रात को माता लक्ष्मी का पूजन किया जाता है, इसमें कमल के फूल का इस्तेमाल किया जाता है। मां लक्ष्मी की पूजा में कमल का फूल जरुर शामिल होता है। माना जाता है कि देवी लक्ष्मी को कमल का फूल सबसे प्रिय है। इसलिए उनका आसान भी कमल पुष्प है। आइए आपको बताते हैं इसके पीछे की कई पौराणिक कहानियां, जिसे आपको पता होनी चाहिए।

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान माता लक्ष्मी कमल पर बैठकर ही प्रकट हुई। इसी कारण से उन्हें कमला या कमलासना भी कहा जाता है। कमल पर विराजित होने की वजह से देवी लक्ष्मी की पूजा में इस फूल को अर्पित किया जाता है। माता लक्ष्मी को कमल अति प्रिय इसका जिक्र भगवान विष्णु कथा में किया गया है। मान्यता है कि कमल के फूल की उत्पत्ति भगवान विष्णु की नाभि से हुआ है। कथा के अनुसार, श्री विष्णु की नाभि से निकले एक कमल में ब्रह्मा जी प्रकट हुए थे। एक और कथा में बताया गया है कि कमल का फूल भगवान विष्णु के सिर से उत्पन्न हुआ है। इसलिए माता लक्ष्मी को कमल का फूल सबसे अधिक प्रिय है।

दिवाली के पावन पर्व पर, माता लक्ष्मी को कमल का फूल अत्यंत प्रिय है, जिसके पीछे कई पौराणिक कथाएँ हैं, जैसे समुद्र मंथन के दौरान उनका कमल पर प्रकट होना। माँ लक्ष्मी को कमल अर्पित करने से घर में धन-समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और मान-सम्मान की वृद्धि होती है, जिससे आध्यात्मिक विकास भी संभव होता है।

मां लक्ष्मी को कमल अर्पित करने से मिलते हैं 3 फायदे

- दिवाली की पूजा के दौरान माता लक्ष्मी को कमल चढ़ाने से समृद्धि और धन-धान्य की प्राप्ति होती है। ऐसा करने सुख और ऐश्वर्य बढ़ता है।
- कमल के फूल से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। इससे घर का वातावरण शुद्ध होता है। इसके साथ ही इसे दिवाली की पूजा में शमिल करने से नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है। माता लक्ष्मी को कमल का फूल चढ़ाने से हर तरह के संकट टल जाते हैं।
- कमल पुष्प को पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। दीपावली के दिन इसे पूजा में शामिल करने से समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। इसके साथ ही एकाग्रता और आध्यात्मिक विकास में भी वृद्धि होगी।

दिवाली के साथ मनाए जाते हैं 5 पर्व

हिंदू धर्म में कार्तिक मास के कृष्णपक्ष की त्रयोदशी तिथि से लेकर कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की द्वितीया तक दीपावाली या फिर कहें दिवाली के पंचमहापर्व को मनाए जाने का विधान है. दीयों से जुड़ा यह पर्व अब चंद दिनों के बाद आने वाला है. अंधेरे पर प्रकाश की विजय से जुड़े इस पर्व को लेकर अलग-अलग धर्मों में अलग-मान्यताएं हैं. मसलन कोई इसे शुभ और लाभ के देवता भगवान श्री गणेश और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा के लिए सबसे ज्यादा फलदायी मानता है तो कोई इसे अपने आराध्य के निर्वाण या फिर उसकी वापसी की खुशी में मनाता है. दिवाली पर्व से जुड़ी धार्मिक मान्यताओं को आइए विस्तार से जानते हैं.

हिंदू धर्म से दिवाली के पर्व को मनाए जाने के पीछे कई प्रकार की कथा और मान्यताएं जुड़ी हुई हैं. इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित मान्यता है कि कार्तिक मास की अमावस्या के दिन ही भगवान राम लंका विजय करने के बाद अयोध्या नगरी लौटे थे. जिनके आगमन पर अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर उनका स्वागत किया था. मान्यता यह भी है कि इसी दिन समुद्र मंथन के बाद धन की देवी मां लक्ष्मी का प्राकट्य हुआ था. दिवाली को लेकर कुछ लोगों की मान्यता है कि इसी दिन पांडव 12 वर्ष का वनवास काटकर वापस लौटे थे, जबकि कुछ लोग इसे राजा विक्रमादित्य के राजतिलक का दिन मानते हैं।

धनतेरस - 10 नवंबर 2023, शुक्रवार
हनुमान पूजा - 11 नवंबर 2023, शनिवार
नरक चौदस / दीपावली - 12 नवंबर 2023, रविवार
गोवर्धन पूजा / अन्नकूट - 14 नवंबर 2023, मंगलवार
भाई दूज - 15 नवंबर 2023, बुधवार

-: भाई दूज :-

इस दिन बहने अपने भाईयों की लम्बी आयु हेतु व्रत उपवास करती है और उन्हें भाई दूज के उपहार देती है जिसमे मीठा मिष्ठान्न मिश्री आदि है. यह त्यौहार सुर्य पुत्र यम और सुर्य पुत्री यमुना से सम्बन्धित है. उनके आपसी प्रेम त्याग का प्रतिक है. यम मृत्यु के देवता है अत: जिनकी बहने अपने भैइयोन को व्रत उपवास कर यम यमुना की पूजा करके आशीर्वाद मांगती है उनके भाई अकाल मृत्यु से बच जाते है यम उन पर रहम वर्तते है.

इस तरह यह पञ्च पर्व सत्युग के देवासुर संग्राम से शुरू होकर देवी मैय्या की दुर्बुद्धि राक्षसों पर विजय की कहानी को कहता हुआ, त्रेता युग मे श्री राम की बढ़ी विशेष कठिन युद्ध मे महावली राक्षसराज राजा रावण पर जीत पर प्रकाश डालता हुआ द्वापुर युग मे कृष्णावतार मे गोवर्धन महाराज की उपासना और यम यमी के परस्पर प्रेम त्याग का प्रतिक है।

दिवाली को क्यों कहा जाता है पंचमहापर्व

जिस दिवाली का इंतजार लोगों को पूरे साल बना रहता है, वो एक नहीं बल्कि 5 पर्वों से जुड़ा त्योहार है. जिसमें पहला धनतेरस पड़ता है, जिसमें भगवान धन्वतरि की पूजा का विधान है तो वहीं चतुर्दशी तिथि पर छोटी दिवाली मनाई जाती है. मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने नरकासुर राक्षस का वध किया था. इसी प्रकार दीपावली के दिन भगवान श्री गणेश, माता लक्ष्मी, कुबेर देवता, माता काली और मां सरस्वती की पूजा का विधान है. चौथे दिन गोवर्धन पूजा और पांचवें दिन भाई दूज मनाया जाता है।

जुबीन गर्ग के निधन को एक महीना पूरा, अब भी शोक मना रहे फैंस सिंगर के आखिरी पलों की जानकारी का कर रहे इंतजार

हर तरफ दिवाली की तैयारियां चल रही हैं। लोग त्योहार की खुशियों में मगन हैं। मगर, असम इस वक्त शोक में डूबा है। असम गमगीन है, क्योंकि राज्य का चहेता सिंगर जुबीन गर्ग साथ नहीं है। आज 19 अक्तूबर को जुबीन के निधन को एक महीना हो गया, मगर फैंस के आंसू नहीं सूखे हैं। लोग त्योहार नहीं शोक मना रहे हैं और इंतजार कर रहे हैं सिंगर के आखिरी पलों की जानकारी का।

पत्नी बोलीं- 'कानूनी व्यवस्था पर भरोसा है'

न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, असमिया सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के एक महीने बाद भी असम के लोग शोक मना रहे हैं। वे गायक के अंतिम क्षणों के बारे में जानकारी चाहते हैं। बता दें कि 19 सितंबर को जुबीन का सिंगापुर में निधन हो गया। उनकी मौत कथित तौर पर स्कूबा डाइविंग के दौरान हुई। हालांकि, इस मामले की जांच चल रही है। जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा ने कहा कि परिवार और राज्य के लोग यह जानना चाहते हैं कि उनके अंतिम क्षणों में क्या हुआ था? उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए कानूनी व्यवस्था पर भरोसा जताया।

जुबीन को श्रद्धांजलि देने उमड़े फैंस

जुबीन के निधन के एक महीना होने पर आज रविवार को गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर में जुबीन गर्ग के अंतिम संस्कार स्थल पर आज सुबह से ही सैकड़ों लोग अपने प्रिय गायक-संगीतकार को श्रद्धांजलि देने उमड़ पड़े। जुबीन के प्रशंसक और दोस्त भी शहर के काहिलीपाड़ा इलाके में उनके आवास और जू रोड इलाके में उनके स्टूडियो में उनके परिवार को सांत्वना देने और सिंगर को याद करने के लिए पहुंचे।

एसआईटी कर रही जांच

राज्य पुलिस की सीआईडी का 10 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) जुबीन गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रही है, जिसमें अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सिंगापुर पुलिस भी जांच कर रही है और असम से एसआईटी अधिकारी अपनी जांच के तहत दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश का दौरा करने वाले हैं। बता दें कि जुबीन के निधन के बाद वैदिक अनुष्ठान परिवार द्वारा उनके स्टूडियो में आयोजित किए गए, जिसमें जुबीन गर्ग के पिता, पत्नी, बहन और अन्य लोग शामिल हुए।

मल्लिका शेरावत ने बढ़ाया 'पति पत्नी और पंगा' का पारा

इन दिनों टीवी पर एक रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस शो में कई सेलिब्रिटी कपल शामिल हैं। हाल ही में बतौर गेस्ट बॉलीवुड एक्ट्रेस मल्लिका शेरावत भी इस शो का हिस्सा बनी हैं। मल्लिका के आने से 'पति पत्नी और पंगा' का पारा बढ़ गया।

मल्लिका ने शो में किया फ्लर्ट

मल्लिका शेरावत ने जब शो में एंट्री ली तो कुछ पुरुष प्रतियोगी उनसे फ्लर्ट करते दिखे। जब मल्लिका ने स्वरा भास्कर के पति के गालों को खींचा तो अभिषेक कुमार नाराज हो गए। इस बात पर शो के होस्ट मुनव्वर फारूखी से शिकायत करते दिखे। जब अभिषेक कुमार शिकायत कर रहे थे तो मल्लिका उनके करीब आती हैं और उनके गालों को हाथ लगा देती हैं। इस पर अभिषेक शरमा जाते हैं।

यूजर्स ने दिए रिएक्शन

यूजर्स ने भी अभिषेक कुमार और मल्लिका शेरावत वाले वीडियो पर रिएक्शन दिए हैं। कुछ अभिषेक को कंटेंट किंग कह रहे हैं। वहीं कुछ लोगों को स्वरा भास्कर के लिए बुरा लगा, क्योंकि मल्लिका ने उनके पति के साथ सबसे पहले फ्लर्ट किया। कुछ लोगों को अभिषेक ओवर एक्टिंग की दुकान लग रहे हैं।

परिणीति चोपड़ा ने दिया बेटे को जन्म, पति राघव चड्ढा ने दी जानकारी; बोले - 'वो आ गया, अब हम पूरे हुए'

हाल ही में खबर आई थी कि अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को प्रेग्नेंसी की वजह से दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब उनके पति राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर जानकारी दी है कि वह मां बन गई हैं। आइए देखते हैं राघव चड्ढा ने पोस्ट में और कौन सी जानकारी दी है?

राघव ने पोस्ट में क्या लिखा?

इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए राघव चड्ढा ने लिखा है 'मेरा बेटा अब मेरे पास है। बाहें और हमारे दिल भरे हुए हैं। पहले हम दोनों थे, अब हम पूरे हैं।' राघव चड्ढा ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में एक नजर का निशान बनाया है। कई यूजर्स इस पोस्ट को लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

पोस्ट पर सेलेब्स ने किए कमेंट

राघव चड्ढा की इस पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और कई सेलेब्स ने कमेंट किए हैं। अभिनेत्री अनन्या पांडे ने दिल वाले इमोजी कमेंट किए हैं। कृति सेनन ने शुभकामनाएं दी हैं। हुमा कुरैशी ने भी दिल वाले इमोजी कमेंट किए हैं। भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा ने परिणीति और राघव को शुभकामनाएं दी हैं।

हाल ही में दी थी प्रेग्नेंसी की जानकारी

अगस्त 2025 में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने इंस्टाग्राम पर जानकारी दी थी कि वह अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाले हैं। उन्होंने एक संयुक्त पोस्ट में लिखा था, 'हमारा छोटा बच्चा आने वाला है। आशीर्वाद।' पोस्ट में उन्होंने एक केक की तस्वीर शेयर की थी। इस पर बच्चे के पैरों के निशान बने थे।

परिणीति और राघव की शादी

परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की सगाई मई 2023 में दिल्ली में हुई थी। सितंबर 2023 में दोनों ने राजस्थान के उदयपुर में शादी की थी।

राघव ने अगस्त में 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में संकेत दिया था कि वे जल्द ही पिता बनने वाले हैं। उन्होंने कहा था, 'आपको जल्दी गुड न्यूज देंगे!'

यूजर्स ने मानुषी छिल्लर के फैसले पर उठाया सवाल, मिस वर्ल्ड ने दिया करारा जवाब

अभिनेत्री मानुषी छिल्लर दिलजीत दोसांझ के साथ नए गाने 'कुफर' को लेकर सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स इस गाने को पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्होंने पूर्व मिस वर्ल्ड पर कटाक्ष किया है और सवाल उठाया है कि क्या उनकी मौजूदगी 'छोटे-मोटे डांस अपीयरेंस तक ही सीमित रह गई है।' इस पर मानुषी ने जवाब दिया है।

फैंस ने मानुषी के फैसले पर उठाया सवाल

मानुषी का नया गाना 'कुफर' जब से रिलीज हुआ है तब से मानुषी की पोस्ट पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके अभिनय की तारीफ की है तो वहीं कई यूजर्स ने मानुषी के फैसले पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा 'मानुषी क्या आपने एमबीबीएस डिग्री पूरी कर ली?' एक और यूजर ने लिखा 'काश वह मिस वर्ल्ड के बाद एमबीबीएस की डिग्री जारी रखती।'

एक यूजर ने लिखा 'एसटीएस से डॉक्टर बनने तक, मिस वर्ल्ड बनने तक, फिर महत्वाकांक्षी फिल्म स्टार बनने तक, अब छोटे-मोटे डांस शो तक सीमित? क्या यही मिस वर्ल्ड है?'

मानुषी ने दिया करारा जवाब

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, मानुषी ने कहा 'मैंने हमेशा उन लोगों की तारीफ की है जो शिक्षा को महत्व देते हैं। लेकिन मैंने यह भी सीखा है कि कला और अभिव्यक्ति के हर रूप का सम्मान करने में ही समझदारी है। दुनिया को विचारकों और रचनाकारों, दोनों की जरूरत है। जब वे दूसरों को ऊपर उठाने के लिए मदद करते हैं तो उनमें से कोई भी 'कम' नहीं होता। हर कदम, कहानी और गीत का अपना उद्देश्य होता है, कोई भी दूसरे से कम नहीं होता।'

मानुषी के बारे में

मानुषी छिल्लर ने मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता जीती। उन्होंने 2022 में अक्षय कुमार अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इस साल उनकी दो फिल्में रिलीज हुईं- राजकुमार राव के साथ 'मालिक' और जॉन अब्राहम के साथ 'तेहरान'।

क्या 'थामा' से पटरी पर लौटेगा आयुष्मान खुराना का करियर?

2020 के बाद से ही आयुष्मान खुराना का करियर बड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहा। 2023 में आई 'ड्रीम गर्ल 2' बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में आयुष्मान ने कोई बड़ी हिट नहीं दी। अब दिवाली रिलीज 'थामा' को समीक्षक आयुष्मान का रीसेट मूमेंट मान रहे हैं।

कोरोना के बाद से धीमा हुआ करियर

आयुष्मान ने हमेशा कमर्शियल सिनेमा और कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों के बीच तालमेल बनाए रखा। 2017 से 2019 के बीच उन्होंने 'अंधाधुंध', 'बधाई हो', 'आर्टिकल 15' और 'बाला' जैसी हिट फिल्में दीं। लेकिन महामारी के बाद स्थिति बदल गई। 2020 से 2022 के बीच आयुष्मान की अधिकांश फिल्में औसत या फ्लॉप रहीं। इनमें 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान', 'गुलाबो सिताबो', 'चंडीगढ़ करे आशिकी', 'अनेक', 'डॉक्टर जी' और 'एन एक्शन हीरो' जैसी फिल्में शामिल रहीं।

एक्सपर्ट्स की राय

'थामा' का समय और जॉनर आयुष्मान के लिए सहीः सुमित

आयुष्मान के करियर ग्राफ पर ट्रेड एनालिस्ट सुमित कडेल ने अमर उजाला से बात करते हुए कहा, 'महामारी का सबसे बड़ा असर आयुष्मान पर पड़ा। पिछले पांच साल में सिर्फ 'ड्रीम गर्ल 2' हिट रही। 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' औसत रही, लेकिन बाकी फिल्में फ्लॉप रहीं। इन फ्लॉप फिल्मों के बावजूद उनका फैन-बेस मजबूत रहा। अब 'थामा' का समय और जॉनर दोनों उनके लिए सही हैं। साथ ही दिवाली पर रिलीज का भी फायदा मिलेगा। यह फिल्म उन्हें थिएटर में दोबारा पकड़ मजबूत करने में मदद कर सकती है।'

सही कहानी का किया इंतजारः गिरीश वानखेड़े

ट्रेड और मार्केटिंग एक्सपर्ट गिरीश वानखेड़े मानते हैं कि आयुष्मान की खामोशी रणनीति का हिस्सा थी। वो कभी गायब नहीं हुए। 'ड्रीम गर्ल 2' के बाद भले ही उन्होंने फिल्मों से थोड़ा ब्रेक लिया हो, लेकिन विज्ञापनों, इवेंट्स और मीडिया के जरिए लगातार नजर में रहे। कभी-कभी कम दिखना भी स्टार के लिए फायदेमंद होता है। कुछ फिल्मों के फ्लॉप होने के बाद उन्होंने जल्दबाजी में प्रोजेक्ट नहीं चुना। उन्होंने सही कहानी और भरोसेमंद प्रोडक्शन टीम का इंतजार किया। लंबे करियर के लिए लगातार फिल्में नहीं, बल्कि मजबूत स्क्रिप्ट और सही सहयोगी जरूरी होते हैं।'

मजबूत हैं आयुष्मान के आगामी प्रोजेक्ट्स

आयुष्मान के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो 'थामा' के अलावा वो सूरज बड़जात्या की एक फिल्म कर रहे हैं। साथ ही सारा अली खान के साथ एक जासूसी कॉमेडी में नजर आएंगे। इसके बाद भूषण कुमार और जुनो चोपड़ा की कॉमेडी फिल्म में उनका अलग अंदाज देखने को मिलेगा। सही स्क्रिप्ट, मजबूत प्रोडक्शन और समझदारी भरी रिलीज रणनीति के साथ वह फिर से अपनी जगह बना सकते हैं।

सनी देओल ने करियर के लिए छिपाई शादी : शाहरुख से 16 साल नहीं की बात, गदर 2 ने कमाए 525 करोड़, 2026 में आएंगी 3 फिल्में

सनी देओल आज अपना 68वां जन्मदिन मना रहे हैं।

सनी देओल... ये वो नाम है, जिन्होंने न सिर्फ अपनी दमदार एक्टिंग, बल्कि जबरदस्त डायलॉग डिलीवरी के जरिए लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाई। भले ही उनके पिता धर्मेंद्र फिल्म इंडस्ट्री के दिग्गज अभिनेता रहे हैं, लेकिन सनी ने अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर खुद की अलग पहचान बनाई।

अपने करियर में उन्होंने कई ऐसे फैसले लिए, जो हमेशा चर्चा में रहे। चाहे वह गुपचुप शादी करना हो, अपने वैवाहिक जीवन को लंबे समय तक सार्वजनिक न करना या फिर बॉलीवुड से नजरअंदाज किए जाने के बाद खुद का प्रोडक्शन हाउस शुरू करना।

आज सनी देओल के 68वें जन्मदिन पर जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ बड़े फैसलों के बारे में...

14 साल की उम्र में की सगाई, फिर छिपाई शादी

सनी देओल की पर्सनल लाइफ हमेशा से ही चर्चा में रही खासकर उनकी शादी। महज 14 साल की उम्र में ही सनी देओल की सगाई पूजा से हो गई थी। हालांकि, जब पूजा के पिता को यह पता चला कि सनी फिल्मों में काम करने वाले हैं, तो उन्हें यह चिंता सताने लगी कि फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बाद सनी उनकी बेटी को छोड़ सकते हैं।

ऐसे में उन्होंने सनी के पिता और दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र पर दोनों की जल्द शादी करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। धर्मेंद्र लगातार पूजा के पिता को यह समझाते रहे कि वह फिल्म 'बेताब' की रिलीज तक इंतजार करें, उसके बाद वह सनी और पूजा की शादी करवा देंगे।

1983 में सनी की डेब्यू फिल्म बेताब रिलीज हुई और वह रातों-रात स्टार बन गए। इसके ठीक एक साल बाद 1984 में 26 साल की उम्र में एक्टर ने पूजा से शादी कर ली। हालांकि, कई जगह ऐसे भी दावे हैं कि दोनों की शादी सनी के डेब्यू से दो साल पहली ही हो चुकी थी।

फिर सनी ने अपने फिल्मी करियर को ध्यान में रखते हुए अपनी शादी को लंबे समय तक छिपाए रखा। उनका मानना था कि अगर लोगों को पता चल गया कि वह शादीशुदा हैं, तो इसका असर उनके रोमांटिक हीरो की छवि पर पड़ेगा और उनके करियर को नुकसान हो सकता है।

शादी के शुरुआती कुछ सालों तक पूजा लंदन में ही रहीं। उस दौरान सनी चोरी-छिपे लंदन जाकर उनसे मिलते थे। बाद में जब मीडिया में सनी और पूजा की शादी की खबरें आने लगीं, तो सनी ने इन खबरों से इनकार कर दिया था। लेकिन आखिरकार 1984 में दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आ ही गईं, जिससे यह सच पूरी दुनिया के सामने आ गया।

फिल्म मशाल हुई ऑफर, पिता के कहने पर छोड़ा

सनी देओल ने 1983 में फिल्म बेताब से बॉलीवुड में कदम रखा और पहली ही फिल्म से उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली। फिल्म की सफलता के बाद उन्हें कई बड़े ऑफर्स मिलने लगे। उन्हीं में से एक था यश चोपड़ा की फिल्म मशाल। इस फिल्म में सनी देओल को दिलीप कुमार के साथ स्क्रीन शेयर करना था। ट्रेड मैगजीन और अखबारों में बाकायदा घोषणा भी हो चुकी थी कि सनी देओल इस फिल्म का हिस्सा होंगे।

फिल्म इंडस्ट्री के लिहाज से यह उनके करियर के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही थी, क्योंकि यश चोपड़ा जैसे नामी निर्देशक और दिलीप कुमार जैसे दिग्गज अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिलना हर नए कलाकार का सपना होता है।

लेकिन तभी उनके पिता धर्मेंद्र ने उन्हें एक सलाह दी। धर्मेंद्र को लगा कि सनी का करियर अभी शुरुआत में है और उन्हें पहले खुद को एक सोलो हीरो के तौर पर स्थापित करना चाहिए। उनका मानना था कि उस वक्त दिलीप कुमार जैसे दिग्गज के साथ स्क्रीन शेयर करना जल्दबाजी हो सकती है और इससे सनी की खुद की पहचान कमजोर पड़ सकती है।

पिता की सलाह को पर सनी ने मशाल छोड़ दी। बाद में यह रोल अनिल कपूर को मिला और फिल्म 1984 में रिलीज हुई। मशाल की कहानी और गाने पसंद किए गए, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म खास कमाल नहीं दिखा सकी। उस दौर के हिसाब से इसे एक बड़ी फ्लॉप माना गया।

डिंपल से बढ़ीं नजदीकियां, घर छोड़ने वाली थीं पत्नी पूजा

सनी और डिंपल कपाड़िया ने मंजिल-मंजिल, अर्जुन, आग का गोला, नरसिम्हा और गुनाह जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया। मंजिल-मंजिल (1984) की शूटिंग के दौरान सनी की डिंपल से नजदीकियां बढ़ीं। बताया जाता है कि जब डिंपल कपाड़िया और राजेश खन्ना अलग हो चुके थे, उसी वक्त सनी देओल और डिंपल एक-दूसरे के करीब आए।

सनी अक्सर डिंपल के घर जाया करते थे और उनकी दोनों बेटियां ट्विंकल खन्ना और रिंकी खन्ना उन्हें छोटे पापा कहकर बुलाने लगी थीं। दोनों 11 साल तक रिलेशन में रहे और लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे। इस दौरान सनी की पत्नी पूजा मुंबई में ही थीं, लेकिन सनी ज्यादातर समय डिंपल के साथ बिताते थे।

हालांकि, जब यह खबर सनी की पत्नी पूजा तक पहुंची, तो उन्होंने सनी से साफ कहा कि अगर उन्होंने डिंपल से दूरी नहीं बनाई, तो वह उन्हें और घर को छोड़ देंगी। इसके बाद सनी और डिंपल ने अलग होने का फैसला लिया।

सालों तक नहीं की थी शाहरुख से बात, YRF से भी बनाई दूरी

सनी देओल अपने करियर के पीक पर थे, जब उन्हें यश चोपड़ा की फिल्म 'डर' ऑफर हुई। इस फिल्म में वह लीड हीरो थे, जबकि शाहरुख खान विलेन की भूमिका में थे। उस वक्त शाहरुख बॉलीवुड में नए थे और सनी देओल की पॉपुलैरिटी अपने चरम पर थी।

फिल्म की शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे सनी को यह अहसास होने लगा कि कहानी में विलेन का रोल कहीं ज़्यादा प्रभावशाली और लंबा है। उन्हें यह भी महसूस हुआ कि दर्शकों की सहानुभूति भी कहीं न कहीं शाहरुख के किरदार की तरफ जा रही है।

उन्होंने डायरेक्टर यश चोपड़ा से सीन में बदलाव की बात की, लेकिन यश जी इसके लिए तैयार नहीं हुए। बात इतनी बढ़ गई कि सनी गुस्से में अपना आपा खो बैठे। कहा जाता है कि उस वक्त उनका हाथ पैंट की जेब में था और गुस्से के दौरान उन्होंने इतनी जोर से मुट्ठी बांधी कि उनकी जेब फट गई।

सनी ने लगभग 16 सालों तक शाहरुख से कोई बात नहीं की और यहां तक कि यशराज फिल्म्स के साथ भी फिर कभी काम नहीं किया। हालांकि, साल 2023 में फिल्म 'गदर 2' की सक्सेस पार्टी के दौरान यह पुरानी दूरियां मिटती दिखीं। पार्टी में सनी देओल और शाहरुख खान एक-दूसरे से गले मिलते नजर आए।

इससे उन्हें क्या खुशी मिली? मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया है और कभी यह नहीं सोचा कि इस फिल्म में ये सीन है, तो चलो इसे कॉपी करते हैं। मैं हमेशा इस सोच के खिलाफ रहा हूं कि किसी दूसरी फिल्म से सीधे कॉपी किया जाए और मैंने ऐसे सुझावों को साफ तौर पर मना कर दिया।उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में गुटबाजी चलती है। कैंप बने हुए हैं। ऐसे में हमने अपनी खुद की प्रोडक्शन कंपनी शुरू की और अपनी फिल्में बनानी शुरू कीं। इसी कारण हमने बॉबी देओल, अभय देओल और अन्य नए एक्टर्स को भी अपनी कंपनी के जरिए लॉन्च किया। सनी देओल ने स्वीकार किया कि उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर बहुत नुकसान झेला है।

बता दें, सनी देओल की डेब्यू फिल्म 'बेताब' उनके अपने प्रोडक्शन हाउस विजयता फिल्म्स प्रा. लि. के बैनर तले बनी थी। बॉबी देओल की पहली फिल्म 'बरसात' भी इसी बैनर के तहत प्रोड्यूस की गई और अभय देओल की डेब्यू फिल्म 'सोचा ना था' को भी देओल परिवार की इसी प्रोडक्शन कंपनी ने लॉन्च किया था।

एक नजर सनी देओल की लव लाइफ और विवाद पर...

शादी की खबर सुनकर अमृता ने तोड़ा था सनी से रिश्ता

फिल्म बेताब सिर्फ सनी की ही नहीं बल्कि अमृता सिंह की भी डेब्यू फिल्म थी। फिल्म की शूटिंग के दौरान अमृता सनी को पसंद करने लगी थीं। अमृता को लगता था कि सनी उनके लाइफ एकदम सही लाइफ पार्टनर होंगे, लेकिन सनी इसके लिए तैयार नहीं थे।

हालांकि, जैसे ही अमृता को जब सनी और पूजा की शादी के बारे में पता चला तो उन्होंने खुद ही इस रिश्ते को तोड़ दिया। इसके बाद अमृता की लाइफ में सैफ अली खान की एंट्री हुई। सैफ और अमृता ने साल 1991 में शादी की थी। कपल के दो बच्चे भी हुए, लेकिन फिर दोनों का तलाक हो गया।

गदर 2 से किया दमदार वापसी

सनी देओल की गदर 2 उनके करियर की सबसे सफल फिल्म है। उन्होंने इस फिल्म से शानदार कमबैक किया। हालांकि, फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा इसे सनी का कमबैक नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, 'लोग कहते हैं कि गदर 2 से सनी देओल का कमबैक हुआ। मैं इस बात को नहीं मानता। वो तो कभी गए ही नहीं थे, तो कमबैक कहां से होगा।' बता दें, फिल्म ने 525 करोड़ का कलेक्शन किया था।

सभी क्षेत्रवासियों को

दीपावली

गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज

की हार्दिक शुभकामनाएं

निकेता भाटी

नंदिनी भाटी

एपेक्स इंटरप्राइजेज

डी-35, ओमेक्स इंडिया ट्रेड सेंटर, अल्फा-2, ग्रेटर नोएडा